हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–258 : जौनपुर, बुधवार 21 जून 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के जरिए योग एक वैश्विक आंदोलन बन गया : पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बुधवार को कहा कि भारत ने हमेशा जोडने, अपनाने और अंगीकार करने वाली परम्पराओं को पोषित किया है और योग के माध्यम से विरोधाभाषों, बाधाओं और प्रतिरोधों को खत्म करने का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा कि भारतीयों ने हमेशा नए विचारों का स्वागत किया है और उन्हें संरक्षण दिया है तथा देश की समृद्ध विविधता का जश्न मनाया है. उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति हो या समाज संरचना, भारत का आध्यात्म हो या उसके आदर्श, भारत का दर्शन हो या दृष्टि, हमने हमेशा जोडने, अपनाने और अंगीकार करने वाली परम्पराओं को पोषित किया है. हमने नए विचारों का स्वागत किया है, उन्हें संरक्षण दिया है. हमने विविधताओं को समृद्ध किया है, उनका जश्न मनाया है.

देशवासियों को योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मोदी ने कहा कि योग का प्रसार भारत के विचार का विस्तार है, जो पूरे संसार को एक परिवार के रूप में समाहित करता है. उन्होंने कहा कि योग के विस्तार का अर्थ है– वसुधैव कुटुंबकम् की भावना का विस्तार. इसलिए इस वर्ष भारत की अध्यक्षता में हो रहे जी–20 सम्मेलन का विषय भी एक पृथ्वी, एक परिवार एक भविष्य है. प्रधानमंत्री ने कहा कि योग एक ऐसे स्वस्थ और सामर्थ्यशाली समाज का निर्माण करता है, जिसकी सामूहिक ऊर्जा कई गुना ज्यादा होती है. उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में स्वच्छ भारत जैसे संकल्पों से लेकर स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों तक, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण से लेकर सांस्कृतिक भारत के पुनर्निर्माण तक, देश तथा देश के युवाओं में जो असाधारण गति दिखी है, उसमें इस ऊर्जा का बहुत बड़ा योगदान है.उन्होंने कहा कि आज देश का मन बदला है, इसीलिए जन तथा जीवन बदला है. प्रधानमंत्री ने कहा कि योग हमारी अन्तरू दृष्टि को विस्तार देता है, उस चेतना से जोड़ता है जो जीव मात्र की एकता का अहसास कराता है और प्राणी मात्र से प्रेम का आधार देता है. इसलिए, हमें योग के जरिए हमारे अंतर्विरोधों को खत्म करना है. हमें योग के जरिए हमारे गतिरोधों और प्रतिरोधों को खत्म करना है. हमें श्एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को विश्व के सामने एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करना है.उन्होंने कहा कि हर वर्ष योग दिवस के अवसर पर वह किसी न किसी आयोजन में आमजन के बीच उपस्थित रहते हैं लेकिन इस बार अमेरिकी यात्रा पर वह ऐसा नहीं कर सकें. उन्होंने कहा कि बुधवार शाम वह संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में योग दिवस समारोह में भाग लेंगे. उन्होंने कहा कि भारत के आह्वान पर योग के लिए दुनिया के 180 से ज्यादा देशों का एक साथ आना ऐतिहासिक व अभूतपूर्व है।

मोदी ने भारतीय संस्कृति और परंपराओं को वैश्विक स्तर तक पहुंचाया : शाह

संवाददाता

अहमदाबाद। शाह ने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने योगाभ्यास को जन आंदोलन बना दिया है जिसने कई लोगों को लाभ पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि मोदी किसी देश के पहले राष्ट्र प्रमुख बन गये हैं जो संयुक्त राष्ट्र में योग दिवस समारोह की अगुवाई करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से भारतीय संस्कृति और परंपराओं को वैश्विक स्तर तक पहुंचाया है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के लॉन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में शामिल होंगे। शाह ने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने योगाभ्यास को जन आंदोलन बना दिया है जिसने कई लोगों को लाभ पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि मोदी किसी देश के पहले राष्ट्र प्रमुख बन गये हैं जो संयुक्त

राष्ट्र में योग दिवस समारोह की अगुवाई करेंगे।अहमदाबाद के शिलाजी इलाके के पास एक सार्वजनिक उद्यान का उद्घाटन करने के बाद शाह ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने योग दिवस के माध्यम से भारतीय संस्कृति और परंपराओं को पूरी दुनिया में पहुंचाया। पूरी दुनिया ने योग अपनाया है और योग दिवस 21 जून को 170 देशों में मनाया जाता है।'' अहमदाबाद शहर शाह के गांधीनगर संसदीय क्षेत्र में आता है। उन्होंने कहा, ''हमारे पुरातन अनुसंधानों में सिद्ध हुआ है कि अगर हम नियमित योग करें तो हमें दवाओं की जरूरत नहीं पड़ेगी। नरेन्द्रभाई ने इस प्राचीन ज्ञान को जन आंदोलन में बदल दिया और लोगों को इस तरह की जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस विधा ने अनेक लोगों के जीवन को बदल दिया है।'' इससे पहले, शाह ने जगतपुर इलाके में एक रेलवे ओवरब्रिज और न्यू रानिप में एक सार्वजनिक उद्यान का उद्घाटन किया। शाह ने रथ यात्रा के अवसर पर मंगलवार सुबह जमालपुर स्थित 400 साल पुराने जगन्नाथ मंदिर में 'मंगला आरती' भी की।

मुस्लिम लीग धर्मनिरपेक्ष और आरएसएस सांप्रदायिक, भाजपा बोली- यह एजेंडा आज का नहीं, नेहरू जी के जमाने का है

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मुस्लिम लीग धर्मनिरपेक्ष है और आरएसएस सांप्रदायिक आज का एजेंडा नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह एक एजेंडा है जो नेहरू जी के जमाने का है। ये विचार जो है वो खानदानी है, ये सोच उनकी रूहानी है।गोरखपुर के गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। हालांकि, इसको लेकर राजनीति भी जबरदस्त तरीके से जारी है। कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। जबकि भाजपा ने साफ तौर पर कहा है कि कांग्रेस को सनातन से नफरत है, इसलिए वह इसका विरोध कर रही है। इन सब के बीच एक बार फिर से भाजपा ने कांग्रेस पर तगड़ा प्रहार किया है। भाजपा ने साफ तौर पर कहा है कि गीता प्रेस को लेकर कांग्रेस का जो रुख है वह भारत भारतीय संस्कृति और हिंदुत्व के प्रति अनादर दिखाता हैभाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मुस्लिम लीग बिल्कुल धर्मनिरपेक्ष है और आरएसएस सांप्रदायिक आज का एजेंडा नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह एक एजेंडा है जो नेहरू जी के

जमाने का है। ये विचार जो है वो खानदानी है, ये सोच उनकी रूहानी है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इसलिए मैं एक बार फिर कहना चाहता हूं कि गीता प्रेस, गोरखपुर के मुद्दे पर कांग्रेस ने जो चरित्र दिखाया है, वह भारत, भारतीय संस्कृति, हिंदुत्व और महात्मा गांधी के आदर्शों के प्रति अनादर दिखाता है।ट्विटर पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार 2021 देना सावरकर और गोडसे को पुरस्कृत करने जैसा होगा।

उन्होंने तर्क दिया कि एक लेखक अक्षय मुकुल ने श्गीता प्रेस एंड द मेकिंग ऑफ हिंदू इंडियाश नामक एक जीवनी लिखी थी। रमेश ने कहा कि किताब मुकुल के महात्मा गांधी के साथ श्तूफानीश संबंधों और उनके राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक एजेंडे पर उनके साथ चल रही लड़ाइयों का पता लगाता है. यह फैसला वास्तव में एक उपहास है और सावरकर और गोडसे को पुरस्कार देने जैसा है। हालांकि, कांग्रेस में भी इसको लेकर राय बंटी हुई नजर आ रही है। यूपी कांग्रेस के नेताओं का मानना है कि जयराम रमेश को ऐसे बयान नहीं देना चाहिए था।

अध्यादेश को लेकर केजरीवाल का कांग्रेस पर वार, बोले- विपक्ष की बैठक में सबसे पहला मुद्दा यही होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र सरकार के अध्यादेश पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस से सब पार्टियां उस बैठक (23 जून को विपक्षी दलों की बैठक) में पूछेंगी कि आप इस मुद्दे पर अपना स्टैंड बताइए। उस बैठक का सबसे पहला मुद्दा होगा अध्यादेश।दिल्ली में सीमाओं को लेकर केंद्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जबरदस्त तरीके से हमलावर हैं। उन्होंने हाल में ही देश के विभिन्न राज्यों का दौरा किया था और तमाम विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात की थी और उनका समर्थन हासिल किया था। लेकिन कांग्रेस का समर्थन हासिल कर पाने में अरविंद केजरीवाल कामयाब नहीं हो सके। लेकिन केजरीवाल ने कांग्रेस नेताओं से मिलने का वक्त जरूर मांगा था। इन सबके बीच विपक्षी दलों की बैठक से पहले केजरीवाल ने कांग्रेस पर बड़ा निशाना साधा है। उन्होंने साफ–साफ कहा है कि कांग्रेस को इस मुद्दे पर अपना स्टैंड क्लियर करना होगा।दिल्ली की सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र सरकार के अध्यादेश पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस से सब पार्टियां

उस बैठक (23 जून को विपक्षी दलों की बैठक) में पूछेंगी कि आप इस मुद्दे पर अपना स्टैंड बताइए। उस बैठक का सबसे पहला मुद्दा होगा अध्यादेश। उन्होंने कहा कि मैं वहां सभी पार्टियों को समझाऊंगा कि ये अध्यादेश तमिलनाडु, महाराष्ट्र, पंजाब, पश्चिम बंगाल कहीं भी आ सकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बहुत बड़ा षड्यंत्र किसी भी मंत्रालय में मंत्री कोई आदेश देगा तो अफसर तय करना कि आदेश सही है या नहीं। अफसर आदेश मानने से मना कर सकता है। कैबिनेट के फैसले प्रमुख शासन सचिव देखकर एलडी को भेजेगा। एलजी कैबिनेट का कोई भी फैसला बदल सकते हैंय ऐसे सरकार कैसे चलेगी?केजरीवाल ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार ने शातिर तरीके से काला अध्यादेश के माध्यम से दिल्ली सरकार पर कब्जा करने की कोशिश की है। आज छंजपवदंस ब्वपजंस ब्पअपस ैमतअपबम ।न. जीवतपजल की बैठक हुई। केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री के ऊपर प्रमुख शासन सचिव और हर मंत्री के ऊपर अफसर बैठा दिया। केंद्र सरकार का अफसरों पर नियंत्रण रहेगा। ये संविधान की मूल आत्मा जनतंत्र के खिलाफ है।फिलहाल खबर यह है कि स्टालिन विपक्षी दलों की बैठक के लिए पटना आ रहे हैं। उनके अलावा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, एनसीपी नेता शरद पवार, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन, शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे और कुछ और विपक्ष बैठक में शामिल होने के लिए नेताओं ने अपनी सहमति दे दी है।

सुप्रिया सुले सीएम और आदित्य डिप्टी सीएम, शरद पवार संग उद्धव ठाकरे की डील की वजह से शिवसेना में पड़ी फूट?

नई दिल्ली। उद्धव ठाकरे ने 2024 में सुप्रिया सुले को मुख्यमंत्री के रूप में आदित्य ठाकरे के साथ डिप्टी सीएम के रूप में स्थापित करने की योजना बनाई थी। यही वो योजना थी जिसके कारण शिवसेना के विधायकों में असंतोष पैदा हुआ।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने दावा किया है कि एनसीपी प्रमुख शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 2024 में सुप्रिया सुले को मुख्यमंत्री के रूप में आदित्य ठाकरे के साथ डिप्टी सीएम के रूप में स्थापित करने की योजना बनाई थी। यही वो योजना थी जिसके कारण शिवसेना के विधायकों में असंतोष पैदा हुआ, जिसके परिणामस्वरूप अंततः 40 विधायक एकनाथ शिंदे के साथ चले गए और भाजपा के साथ सरकार बनाई। बावनकुले ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह शिंदे का विद्रोह था जिसने इन योजनाओं पर पानी फेर दिया। यह प्रस्तावित किया गया था कि उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करेंगे और योजना को 2024 तक अमल में लाया जाएगा।

अल्पसंख्यकों साधने में जुटी भाजपा, दिल्ली में मेगा रैली कर सकते हैं मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। आम चुनाव के शुरुआती कुछ महीने बचे हैं, ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल्ली के बीचो–बीच करीब 1 लाख अल्पसंख्यकों, खासकर मुसलमानों को संबोधित करने की संभावना है। जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी इस मेगा अल्प संख्यक सभा को नवंबर या दिसंबर में संबोधित कर सकते हैं। भाजपा 2024 चुनाव को लेकर अपनी तैयारियों में जुट चुकी है।इसके लिए भाजपा अल्पसंख्यकों को भी साधने की कोशिश कर रही है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अल्पसंख्यक को अपने साथ जोड़ने की बात कही थी। पार्टी के नेता भी प्रधानमंत्री मोदी की बातों को गंभीरता से लेते हुए मिशन 2024 पर जुट गए।पार्टी की ओर से लगातार अल्पसंख्यकों को साधने की कोशिश की जा रही है। भाजपा मशीनरी ने 65 अल्पसंख्यक बहुल लोकसभा सीटों की पहचान की जहां वे उन तक पहुंचेंगे। इन सब के बीच सूत्रों से पता चला है कि पार्टी इस साल के अंत में अपने अगले चरण में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। आम चुनाव के शुरुआती कुछ महीने बचे हैं, ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल्ली के बीचो–बीच करीब 1 लाख अल्पसंख्यकों, खासकर मुसलमानों को संबोधित करने की संभावना है। जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी इस मेगा अल्पसंख्यक सभा को नवंबर या दिसंबर में संबोधित कर सकते हैं।फिलहाल यह कार्यक्रम कहां होगा, यह तय नहीं हुआ है। लेकिन रामलीला मैदान को लेकर संभावनाए ज्यादा हैं। इसमें 1 लाख लोगों को समायोजित करने की क्षमता है। इसलिए, इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि यह अल्पसंख्यक पहुंच दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित की जाएगी। फिलहाल भाजपा ने इस पर काम करना शुरू कर दिया है। भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने मुताबिक हम इसे नवंबर

या दिसंबर में करने की कोशिश कर रहे हैं। अल्प संख्यकों में से एक लाख व्यक्तियों को दिल्ली लाया जाएगा जिन्हें स्वयं प्रधानमंत्री द्वारा संबोधित किए जाने की संभावना है।चूंकि, इसमें बड़े पैमाने पर लॉजिस्टिक प्लानिंग शामिल है, बीजेपी ने पहले ही होमवर्क शुरू कर दिया है। सिद्दीकी ने कहा कि ये 1 लाख व्यक्ति श्मोदी मित्रश (मोदी के मित्र) होंगे, एक अभियान जिसके माध्यम से भाजपा उन 5,000 अल्प संख्यकों को लक्षित करने का प्रयास करती है जो 65 अल्पसंख्यक बहुल लोकसभा क्षेत्रों में मोदी सरकार के शासन से प्रभावित हैं।लेकिन 1 लाख लोगों को दिल्ली लाना आसान काम नहीं है और बीजेपी इस बात को लेकर सतर्क है।

अचानक रद्द हुआ नीतीश कुमार का तमिलनाडु दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली। जानकारी के मुताबिक कार्यक्रम में अचानक ही बदलाव किया गया है। संजय झा और तेजस्वी के साथ स्टालिन को विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होने का न्योता भी देंगे। हालांकि, 23 जून को पटना में होने वाले बैठक को लेकर नीतीश और स्टालिन की मुलाकात काफी अहम मानी जा रही थी।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आज का तमिलनाडु का दौरा रद्द हो गया है। हालांकि, उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव तिरुवरुर जिले में दिवंगत द्रमुक अध्यक्ष एम करुणानिधि के स्मारक के उद्घाटन में शामिल होंगे। दोनों नेता तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के निमंत्रण पर चेन्नई जाने वाले थे। इस कार्यक्रम के दौरान, बिहार के मुख्यमंत्री को श्कलैगनार कोट्टमश का उद्घाटन भी करना था। लेकिन अब यह दौरा अचानक रद्द हो गया है। राज्य सरकार में जल संसाधन मंत्री संजय झा सीएम के प्रतिनिधि के तौर पर तेजस्वी के साथ चेन्नई रवाना हुए हैं। जानकारी के मुताबिक कार्यक्रम में अचानक ही बदलाव किया गया है। संजय झा और तेजस्वी के साथ स्टालिन को विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होने का न्योता भी देंगे। हालांकि, 23 जून को पटना में होने वाले बैठक को लेकर नीतीश और स्टालिन की मुलाकात काफी अहम मानी जा रही थी। सूत्रों का दावा है कि स्टालिन और नीतीश के बीच कुछ मुद्दों को लेकर सहमति नहीं बन पाई है। यही कारण है कि स्टालिन ने पहले विपक्षी दलों की बैठक में सामिल होने से इनकार कर दिया था। यही कारण है कि बिहार के नेता तमिलनाडु दौरे पर रवाना हुए है। दोनों नेता एम करुणानिधि के स्मृति कार्यक्रम में शामिल होंगे।फिलहाल खबर यह है कि स्टालिन विपक्षी दलों की बैठक के लिए पटना आ रहे हैं।

महाराष्ट्र की राजनीतिक लड़ाई को यूएन तक ले गए संजय राउत, पत्र लिख कर कहा- 20 जून को घोषित किया जाये विश्व गद्दार दिवस

एजेंसी

नई दिल्ली। संजय राउत ने अपने पत्र में कहा कि 20 जून को, हमारी शिवसेना के 40 विधायकों के एक बड़े समूह ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा उकसाए जाने के बाद हमें छोड़ दिया। कहा जाता है कि उनमें से प्रत्येक को 50–50 करोड़ रुपये दिए गए हैं।महाराष्ट्र की राजनीतिक लड़ाई को शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने संयुक्त राष्ट्र तक पहुंचा दिया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह से पहले संजय राउत ने संयुक्त राष्ट्र से 20 जून को विश्व गद्दार दिवसष घ्घोषित करने का अनुरोध किया है। राउत का अनुरोध महाराष्ट्र में जून 2022 में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट द्वारा सामना की गई राजनीतिक उथल–पुथल की पृष्ठभूमि में आया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को पत्र लिखते हुए, राउत ने भाजपा पर शिवसेना (यूबीटी) छोड़ने वाले 40 विधायकों को भड़काने का आरोप लगाया।संजय राउत ने अपने पत्र में कहा कि 20 जून को, हमारी शिवसेना के 40 विधायकों के एक बड़े समूह ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा उकसाए जाने के बाद हमें छोड़ दिया। कहा जाता है कि उनमें से प्रत्येक को 50–50 करोड़ रुपये दिए गए हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि भगवा पार्टी ने महाराष्ट्र में ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार को गिराने के लिए पूरी ताकत का इस्तेमाल किया। उन्होंन आरोप लगाया कि भाजपा ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल किया कि महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार गिर जाए। जिन 40 विधायकों ने हमें चाकू मारा, उनका नेतृत्व एक प्रमुख विधायक एकनाथ शिंदे (जो अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री हैं) कर रहे थे। उनके साथ एमवीए सरकार को समर्थन देने वाले 10 और निर्दलीय भी चले गए। राउत ने भाजपा और विधायकों पर ठाकरे की बीमारी का फायदा उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि छोड़ने की प्रक्रिया 20 जून को शुरू हुई जब एकनाथ शिंदे और अन्य लोग मुंबई से पड़ोसी राज्य गुजरात के लिए रवाना हुए। उन्होंने उद्धव ठाकरे को छोड़ दिया जो एक बीमार व्यक्ति थे और 12 नवंबर और 19 नवंबर, 2021 को उनकी दो बड़ी सर्जरी हुई थी।

हरियाणा को बड़ी सौगात देने के बाद बोले नितिन गडकरी– सभी सीटों पर बीजेपी की जीत से सुनिश्चित हुआ तेज विकास

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व में हरियाणा में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण से विकास और समृद्धि के नए आयाम प्रस्थापित करने के लिए हम कटिबद्ध हैं।केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हरियाणा को एक बड़ी सौगात देते हुए मंगलवार को सोनीपत में दिल्ली से पानीपत 8–लेन राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर 11 फ्लाईओवरों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, स्थानीय सांसद और विधायक भी उपस्थित थे। गडकरी ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग केवल देश के नागरिकों की यात्रा को सुगम बनाने का कार्य नहीं करता बल्कि देश–प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का भी कार्य करता है। उन्होंने बताया कि दिल्ली से पानीपत तक 8–लेन राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर घ890 करोड़ की लागत से इन 11 फ्लाईओवरों का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि कुल 24 किमी लंबाई के इन फ्लाईओवरों समेत बना दिल्ली से पानीपत तक का यह कॉरिडोर हरियाणा, पंजाब और जम्मू–कश्मीर के आर्थिक नोड्स को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। गडकरी ने कहा कि दिल्ली से पानीपत तक यह राजमार्ग आद्योगिक क्षेत्रों के साथ कृषि क्षेत्रों को जोड़ेगा, जिससे माल और अंतिम उत्पात के ढुलाई में आसानी होगी। दिल्ली–पानीपत कॉरिडोर हरियाणा, पंजाब, हिमाचल एवं जम्मू–कश्मीर में आने–जाने वाले पर्यटकों के आवागमन में भी सुगमता लाएगा। गडकरी ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व में हरियाणा में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण से विकास और समृद्धि के नए आयाम प्रस्थापित करने के लिए हम कटिबद्ध हैं।हम आपको यह भी बता दें कि बाद में गडकरी ने नई अनाज मंडी में गौरव भारत रैली को संबोधित कर मोदी सरकार की नौ वर्ष की उपलब्धियों को भी गिनवाया। भारत गौरव रैली में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में प्रदेश के कोने–कोने से भाजपा कार्यकर्ता उमड़े थे। अभी हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी हरियाणा का दौरा कर जनसभा को संबोधित किया

सम्पादकीय

तकनीक साझा करेगा अमेरिका

सवाल है कि क्या अमेरिका भारत के साथ इन ड्रोन्स की तकनीक भी साझा करेगा, ताकि आगे चल कर भारत खुद उनका उत्पादन कर पाए? ऐसा होता है, तो यह बड़ी बात होगी। वरना, यह सिर्फ अमेरिका के फायदे का सौदा बन कर रह जाएगा।हथियार कारोबार का हिसाब–किताब रखने वाली स्वीडन की प्रमुख संस्था– सिपरी की रिपोर्ट के मुताबिक 2018–22 की अवधि में भारत दुनिया में सबसे बड़ा हथियार आयातक देश रहा। जाहिर है, सबसे बड़े खरीदार को लुभाना दुनिया के वो तमाम देश चाहेंगे, जो इस कारोबार में शामिल हैं। इसलिए इन खबरों में कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे में जो बाइडेन प्रशासन अमेरिकी ड्रोन की अरबों डॉलर की एक डील को पूरा करना चाह रहा है। मोदी 22 जून को अमेरिका जा रहे हैं। अमेरिका में इस बार उनकी यात्रा को इतना महत्त्व दिया गया है कि कुछ मीडिया टिप्पणियों में इसकी तुलना दूसरे विश्व युद्ध के बाद ब्रिटिश नेता विंस्टन चर्चिल की हुई अमेरिका यात्रा से की गई है। इसकी एक वजह तो यह है कि अमेरिका अपनी चीन विरोधी रणनीति में भारत को और सक्रिय भूमिका देखना चाहता है। दूसरी वजह यह है कि वह हथियारों के मामले में भारत की रूस पर निर्भरता को खत्म करना चाहता है। यानी अगर बोलचाल की भाषा में कहें, तो वह रूस के एक बड़े ग्राहक को छीनना चाहता है।वैसे यह भी सच है कि भारत की काफी समय से अमेरिका से हथियारबंद ड्रोन खरीदने में रुचि रही है। इन्हें एमक्यू–नाइनबी सी–गार्जियन ड्रोन कहा जाता है और इन्हें बनाने वाली कंपनी श्जनरल एटॉमिक्सय है। ऐसे 30 ड्रोन खरीदने के लिए भारत को दो से तीन अरब डॉलर तक खर्च करने पड़ सकते हैं। लेकिन संभवतरू सरकार के अंदर ही इस खरीदारी की उपयोगिता पर मतभेद हैं। इस वजह से डील अभी तक रुकी हुई है। उधर अमेरिका ने ड्रोन बेचने की अपनी मुहिम तेज कर दी है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक प्रधानमंत्री की यात्रा की तारीख तय होते ही अमेरिकी विदेश विभाग, रक्षा विभाग और ह्वाइट हाउस ने इस सिलसिले में भारत से संपर्क किया। लेकिन सवाल है कि क्या अमेरिका भारत के साथ इन ड्रोन्स की तकनीक भी साझा करेगा, ताकि आगे चल कर भारत खुद उनका उत्पादन कर पाए? ऐसा होता है, तो यह बड़ी बात होगी। वरना, यह सिर्फ अमेरिका के फायदे का सौदा बन कर रह जाएगा।

भेदभाव को खत्म कर देश में सामाजिक एकता को बढ़ायेगा समान नागरिकता कानून

सुरेश हिंदुस्तानी

समान नागरिक संहिता को लेकर कुछ संस्थाओं द्वारा यह प्रचारित करने का प्रयास किया जा रहा है कि यह कानून भारत के मुस्लि मों के विरोध में है।जबकि इस पर गंभीरता पूर्वक मंथन किया जाए तो समान नागरिकता कानून मुस्लिमों के लिए बड़ा हितकारक ही सिद्ध होगा। वर्तमान में समान नागरिक कानून की चर्चा बहुत ज्यादा है। होनी भी चाहिए, क्योंकि विश्व के अधिक ांश देश समान कानून की अवधारणा को स्वीकार करते हैं। आज जो देश खुद को विश्व की महाशक्ति कहलाना पसंद करते हैं, उन सभी देशों में कानून के नाम पर कोई समझौता नहीं किया जाता। भारत में कानून के नाम पर जो प्रावधान हैं, उनमें कई प्रकार की खामियां देखने को मिलती हैं। जो समाज में असम ानता का भाव पैदा करने वाली कही जा सकती हैं। विसंगति यह है कि मुस्लिमों के लिए जो पर्सनल कानून बनाए गये हैं, वे सामाजिक उत्थान और मुसलमानों को राष्ट्र की मुख्य धारा में लाने का एक प्रयास था, लेकिन इसका परिणाम क्या हुआ है, यह हम सभी के सामने है। मुस्लिम समाज का एक वर्ग देश की वास्तवि कता से परिचित होना नहीं चाहता। इतना ही नहीं वह अभी तक भारत के उन संस्कारों से समरस नहीं हो सका है, जो मुगलों और अंग्रेजों से पहले से चले आ रहे हैं। भारत के मुसलमानों के बारे में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि यह मुसलमान सनातन काल से भारत के ही हैं। वह अपना इतिहास खोजेंगे तो उन्हें इसके प्रमाण भी मिल जाएंगे। आज कई मुस्लिम अपने पूर्वजों द्वारा की गई गलतियों को सुधारने का प्रयास भी करने लगे हैं। वसीम रिजवी और जफर शेख ने इस पहल को गति देने का कार्य किया है। अभी मुस्लिम समाज को सुबह का भूला निरूपित किया जाए तो कोई अति श्योक्ति नहीं होगी, लेकिन यकीनन वो शाम भी आ रही है, जिसमें सब घर लौटने की कवायद करेंगे। समान नागरिक संहिता को लेकर कुछ संस्थाओं द्वारा यह प्रचारित करने का प्रयास किया जा रहा है कि यह कानून भारत के मुस्लिमों के विरोध में है। जबकि इस पर गंभीरता पूर्वक मंथन किया जाए तो समान नागरिकता कानून मुस्लिमों के लिए बड़ा हितकारक ही सिद्ध होगा। हम जानते हैं कि आज देश का बहुत बड़ा मुस्लिम समाज मुख्य धारा से कटा हुआ है। इसके पीछे एक मात्र कारण देश की राजनीति को माना जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। देश को स्वतंत्रता मिलने के बाद राजनीतिक दलों ने मुस्लिमों के वोट प्राप्त करने के लिए उन्हें तमाम तरीके से प्रलोभन देने का काम किया, यही प्रलोभन मुस्लिम समाज के विकास में बाधक बनकर सामने दिखाई दिया। अगर सारे समाज के लिए देश में एक समान कानून बन जाएगा तो स्वाभाविक रूप से समाज में भेदभाव भी समाप्त होगा, जो अपरिहार्य भी है। इसलिए अब देश के मुस्लिम समाज को स्वयं ही समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग करना चाहिए, जो न्यायोचित कदम होगा। वर्तमान में हम देख रहे हैं कि कुछ लोग समान नागरिक कानून का विरोध कर रहे हैं,जबकि मुस्लिम समाज की महिलाएं इस कानून के समर्थन करने के लिए आगे आ रही हैं। समान नागरिक कानून समान व्यवहार करने वाला ही साबित होगा। ऐसा किया जाना इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि निजी कानूनों के चलते समाज में भेदभाव की खाई लगातार गहरी होती जा रहा है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक बार तलाक के एक प्रकरण में सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया था कि समान नागरिक संहिता समय की जरूरत है। हम जानते हैं कि गोवा में समान नागरिक संहिता लागू है और इस राज्य के किसी भी वर्ग को किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। उत्तराखंड में इसे लागू करने की प्रक्रिया चल रही है। गोवा में समान नागरिक संहिता के होने से समाज को किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है ।समस्या तो केवल उन राज नीतिज्ञों को है जो समाज में विभाजन की लकीर को बड़ा करना चाहते हैं। ऐसे राजनीतिज्ञों को विचार करना चाहिए कि जो काम गोवा में किया जा सकता है, वह शेष देश में क्यों नहीं हो सकता? राजनीतिक दलों को यह समझना चाहिए कि समान नागरिक संहिता न तो किसी के विरोध में है और न ही किसी के समर्थन में है। समान नागरिक संहिता देश के हर नागरिक को समानता का अधिकार देगी।विश्व के कई देशों में संवैधानिक प्रावधानों के तहत किसी वर्ग को विशेष अधिकार नहीं हैं, सबको देश में एक ही कानून को मानना होता है, लेकिन भारत में राजनीतिक फायदे के लिए तुष्टिकरण का ऐसा खेल खेला गया, जो विविधता में एकता के दर्शन को तार–तार कर रहा है। निजी कानूनों के कारण कहीं कहीं विसंगति के हालात भी पैदा हो रहे हैं। सामुदायिक घटनाओं को भी राजनीतिक दृष्टि से देखा जाता है, घटना को देखने का यह नजरिया वास्तव में वर्ग भेद को बढ़ावा देने वाला है। देश का मुस्लिम भी समाज का एक हिस्सा है, जिसे इसी रूप में प्रस्तुत करने की परिपाटी चलन में आ जाए तो भेद करने वाले विचारों पर लगाम लगाई जा सकती है। लेकिन हमारे देश के कुछ राजनीतिक दलों ने मुसलमानों को ऐसे भ्रम में रखने के लिए प्रेरित किया कि वह भी ऐसा ही चिंतन करने लगा, जबकि सच्चाई यह है कि आज के मुसलमान बाहर से नहीं आए, वे भारत के ही हैं। परिस्थितियों के चलते उनके पूर्वज मुसलमान बन गए। वे सभी स्वभाव से आज भी भारतीय हैं और विचार से सनातनी हैं, लेकिन देश के राजनैतिक दल मुसलमानों के इस सनातनी भाव को प्रकट करने का अवसर नहीं दे रहे।जहां तक निजी कानूनों का सवाल है तो यह कहीं न कहीं समाज से दूर करने का बड़ा कारण ही सिद्ध हो रहा है। इन कानूनों से अगर किसी वर्ग को लाभ मिलता तो आज मुस्लिम समाज प्रगति कर चुका होता, जबकि वास्तविकता यही है कि अल्पसंख्यकों के नाम पर दी जाने वाली सरकारी सुविधाएं ही उनकी प्रगति के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा हैं। हम जानते हैं कि सुविधाओं के सहारे किसी भी समाज को स्वावलम्बी नहीं बनाया जा सकता। लेकिन भारत में मुस्लिम पर्सनल कानून को लेकर जहां मुस्लिम समाज के पैरोकार समाज में भ्रम की स्थिति पैदा कर समाज को राष्ट्र की मुख्य धारा में लाने से वंचित कर रहे हैं, वहीं देश के कुछ राजनीतिक दल भी आग में घी डालने जैसा कृत्य करते हुए दिखाई देते हैं। वास्तव में यह कदम कहीं न कहीं देश में वैमनस्यता को बढ़ावा देने का ही काम कर रहे हैं। जहां तक साम्प्र दायिक सद्भाव की बात है तो सभी धर्म और सम्प्रदाय के लोगों को एक दूसरे के रीति रिवाजों को समान भाव से सम्मान देना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता तो सामाजिक समर सता के तमाम प्रयास महज खोखले ही साबित होंगे। भाजपा शुरू से ही इस पक्ष में रही है कि एक देश में एक ही कानून लागू होना चाहिए। किसी को भी पर्सनल लॉ के तहत काम करने की छूट नहीं दी जानी चाहिए। जो राजनीतिक दल इसे भाजपा या कांग्रेस के नजरिये से देखते हैं, उन्हें एक बार फिर से इस कानून को समझने का प्रयास करना चाहिए। अगर हम यह चिंतन भारतीय भाव से करेंगे तो स्वाभाविक रूप से यही दिखाई देगा कि समान नागरिक कानून देश और समाज के विकास का महत्वपूर्ण आधार बनेगा। अगर इसे हिन्दू मुस्लिम के संकुचित भाव से देखेंगे तो खामी न होने के बाद भी खामियां दिखाई देंगी। यह मसला वास्तव में केंद्र की मौजूदा सरकार ने अपनी तरफ से शुरू नहीं किया है। यह मांग तो पिछली सरकारों के समय भी उठती रही है, इसलिए वर्तमान केंद्र सरकार को दोषी ठहराना किसी भी दृष्टि से ठीक नहीं है। मौजूदा सरकार पूरे देश में हर नागरिक को समान अधिकार देने के पक्ष में है। वह पुरुष हो या महिला। हिंदू हो या मुसलमान या किसी दूसरे मजहब को मानने वाले नागरिक।ऐसा होगा तभी देश में सामा जिक समरसता की स्थापना संभव हो सकेगी।

भाजपा की तीसरी कसम जल्द पूरी

अजीत द्विवेदी

भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के बाद पिछले चार दशक में जितने भी चुनाव हुए हैं उनमें तीन वादे कॉमन रहे। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 समाप्त करना, अयोध्या में राममंदिर का निर्माण और समान नागरिक संहिता लागू करना। पिछली बार यानी 2019 में चुनाव जीतने के बाद भाजपा के दो वादे पूरे हो गए। चुनाव जीतने के तुरंत बाद सरकार ने न सिर्फ अनुच्छेद 370 को समाप्त करके जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किया, बल्कि उसका विभाजन भी कर दिया। लद्दाख उससे अलग हो गया और अभी तक जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश बना हुआ है। इसी तरह अयोध्या में राममंदिर निर्माण का रास्ता सुप्रीम कोर्ट के फैसले से साफ हुआ और पांच अगस्त 2020 को कोरोना वायरस की महामारी के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका शिलान्यास किया। रामलला का भव्य मंदिर बन रहा है, जिसका पहला तल अगले साल जनवरी में पूरा हो जाएगा और संभवतरू 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इस तरह भाजपा के दो वादे पूरे हो गए। अब तीसरे वादे की बारी है। सवाल है कि क्या भाजपा अगले साल लोकसभा चुनाव में जाने से पहले इस वादे को भी पूरा कर देगी? भाजपा का तीसरा वादा समान नागरिक संहिता का है। कई कारणों से दशकों से इसका विरोध होता आया है। भारत जैसे सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता वाले देश में सभी नागरिकों के लिए एक किस्म का निजी कानून बनाना कभी भी आसान काम नहीं हो सकता है। संभवतरू इसी वजह से आज तक यह मामला लंबित है। सैद्धांतिक रूप से भाजपा भले चाहे जिस कारण से समान नागरिक संहिता का समर्थन करती हो लेकिन व्यावहारिक रूप से वह राजनीतिक कारण से इसके पक्ष में है। उसके समर्थक और बड़े नेता भी सार्वजनिक रूप से कहते रहे हैं कि मुस्लिम समाज में बहुविवाह प्रचलित है, तलाक के अलग नियम हैं और इस वजह से उनकी जन संख्या बढ़ती जा रही है, जबकि हिंदू आबादी घट रही है। हालांकि यह प्रस्थापना कई तरह के मिथकों के ईर्द–गिर्द गढ़ी गई है, जिस पर अलग से बात होनी चाहिए। बहरहाल, भाजपा की केंद्र सरकार ने भले समान नागरिक संहिता लागू नहीं की है लेकिन केंद्र में लगातार दूसरी बार उसकी पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के बाद से मुस्लिम समाज में प्रचलित अलग अलग प्रथाओं को कानूनी और सरकारी तौर पर बदलने की प्रक्रिया तेज हो गई है। बरसों की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक के नियम को अवैध घोषित कर दिया। बाद में केंद्र सरकार ने कानून बना कर इसको अपराध बनाया, जिसका मुस्लिम समाज विरोध करता है। इसी तरह बहुविवाह और हलाला का मुद्दा भी कानूनी समीक्षा के दायरे में है और इससे जुड़े मुकदमों की सुनवाई हो रही है। इस तरह एक स्तर पर हिंदू व मुस्लिम समाज की विवाह और तलाक की प्रथाओं में एकरूपता लाने का प्रयास हो रहा है। किसी भी समुदाय की सामाजिक, धार्मिक व सांस्कृतिक भावनाओं को आहत किए बगैर और आम सहमति से ऐसी कोई एकरूपता बनती है तो उसका स्वागत होना चाहिए। भारत में हर समुदाय के अंदर कई कुरीतियां हैं और कई ऐसी अमानवीय प्रथाएं प्रचलित हैं, जिन्हें दूर किया जाना चाहिए। महिलाओं की गरिमा को कम करने वाली कई परंपराएं चलन में हैं, जिन्हें समाप्त करना जरूरी है और यह विवाह, तलाक, संपत्ति पर अधिकार, बच्चा गोद लेने जैसे मामलों में जो कमियां हैं उन्हें दूर करके ही किया जा सकता है। लेकिन सवाल है कि क्या समान नागरिक संहिता लाकर ऐसा करना संभव है? यहां बात सिर्फ मुस्लिम समाज की नहीं है। अलग अलग धार्मिक समूहों में अलग प्रथाएं चलन में हैं। हिंदुओं में ही अलग अलग राज्यों में आदिवासी पारंपरिक हिंदू रीति रिवाज का पालन नहीं करते हैं। उनकी अपनी परंपरा और संस्कृति है। कई राज्यों में दलित समुदाय की अलग परंपराएं हैं। हिंदू समाज के अंदर ही उत्तर और दक्षिण भारत के रीति रिवाज बिल्कुल भिन्न हैं। क्या कानून बना कर इन सबको एक जैसा बनाया जा सकता है? ध्यान रहे यह अनुच्छेद 370 या अयोध्या में राममंदिर की तरह राजनीतिक मामला नहीं है। यह विशुद्ध रूप से सामाजिक मामला है और हर परिवार, जाति व धर्म से जुड़ा है। यह भी ध्यान रखने की बात है कि सामाजिक बदलाव हमेशा मुश्किल और समय लेने वाला काम होता है। कई बार बेहद अमानवीय परंपरा के समर्थन में भी लोग खड़े हो जाते हैं। इसलिए इसमें बहुत सोच समझ कर आगे बढना होगा। यह अच्छी बात है कि भाजपा ने इसे पहले राज्यों में शुरू करने का फैसला किया है। कई भाजपा शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता पर विचार हो रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर एक संहिता बनाने की बजाय राज्यों में प्रचलित परंपराओं को ध्यान में रख कर कानून बनाया जाए तो ज्यादा बेहतर होगा। ध्यान रहे भारत में विधि आयोग कई बरसों से इस पर विचार कर रहा है। 21वें विधि आयोग का कार्यकाल 2018 में खत्म हुआ था। उसने उससे पहले इस पर विचार किया था। उसके बाद 22वें विधि आयोग ने इस भी इस पर विचार किया है। इस आयोग को तीन साल का सेवा विस्तार मिला है। इसने समान नागरिक संहिता के मसौदे पर गंभीरता से विचार करने के बाद इस पर आम लोगों के सुझाव मांगे हैं। विधि आयोग ने 14 जून को कहा कि अगले एक महीने में आम लोग इस पर अपनी राय दे सकते हैं। विधि आयोग की यह सक्रियता उत्तराखंड सरकार की बनाई कमेटी का मसौदा सामने आने के बाद तेज हुई है।सुप्रीम कोर्ट की रिटायर जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में उत्तराखंड सरकार ने कमेटी बनाई थी। इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट तैयार की है, जिसे लेकर कमेटी के सदस्यों ने विधि आयोग के सदस्यों से मुलाकात की थी। उसके बाद ही विधि आयोग ने लोगों की राय मंगाने का फैसला किया सो, उत्तराखंड सरकार की रिपोर्ट और विधि आयोग की सक्रियता से ऐसा संकेत मिल रहा है कि केंद्र सरकार इस दिशा में आगे बढ़ सकती है। संभव है कि जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई कमेटी की रिपोर्ट को ही राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने के लिए स्वीकार किया जाए। लेकिन उससे पहले एक महीने में लोगों की राय मंगाने की औपचारिकता पर्याप्त नहीं है। इसके लिए सरकार को लोगों तक पहुंचना चाहिए। मसौदा लेकर राज्यों में जाना चाहिए। मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरुओं से लेकर सामाजिक समूहों के लोगों से बात करनी चाहिए। हिंदुओं के धर्मगुरुओं और सामाजिक समूहों से भी मिलना चाहिए। आदिवासी समुदाय के बीच जाकर इस बारे में बताया जाना चाहिए। पूर्वोत्तर के राज्यों में अलग से इस पर बात होनी चाहिए। ध्यान रखना चाहिए कि भारत दुनिया के किसी भी दूसरे देश के मुकाबले ज्यादा विविधता वाला देश है। यहां एक तरह का कानून सबके लिए स्वीकार्य कराना आसान नहीं होगा। अपना वादा पूरा करने की हड़बड़ी में या राजनीतिक फायदे के लिए ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर जल्दबाजी करना ठीक नहीं होगा। इससे यह संदेश तो कतई नहीं जाना चाहिए कि एक समुदाय को खुश करने के लिए सरकार दूसरे समुदाय पर नकेल कस रही है। किसी तरह के पक्षपात या पूर्वाग्रह का संदेश पूरे मामले को ज्यादा जटिल बना देगा।

धीरोदात्त नायक के रूप में उभरे प्रधानमंत्री मोदी

शिवराज सिंह चौहान

भारत में प्रायरू हर साल चक्रवात तूफान आते रहते हैं चाहे अरब सागर में हों या बंगाल की खाड़ी में। आम तौर पर, चक्रवात कम दबाव वाले क्षेत्र के आसपास वायुमंडलीय गड़बड़ी से उत्पन्न होते हैं। चक्रवातों के बाद आमतौर पर भयंकर तूफान और खराब मौसम आते हैं। यदि हम पिछले 2 से 3 दशक की घटनाओं पर नजर डालें तो भारत को जिन–जिन खतरनाक तूफानों का सामना करना पड़ा, उसमें जान–माल की हानि के साथ बड़ी संख्या में जनहानि भी उठानी पड़ी। इसके विपरीत हाल ही में गुजरात में आये चक्रवात बिपर जॉय की सूचना मिलने पर केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा एहतियातन की गई तैयारियों ने कम से कम जन हानि को तो बचा लिया।आपदाओं में घर के जो मुखिया जिस सतर्कता, धीरज, विवेक और गंभीरता का परिचय देकर संकट की भयावहता को शून्य करने में सफल होते हैं, वही इतिहास में धीरोदात्त नायक के रूप में स्थापित होते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले नौ सालों के कार्यकाल में यह बार–बार सिद्ध हो चुका है कि वे किसी भी संकट से देशवासियों की प्राण–रक्षा के लिये आपदा में धैर्य नहीं खोते और सुविचारित रणनीतियों के साथ मुकाबला करते हैंय चाहे वह चक्रवात हो, अन्यस प्राकृतिक संकट हों या अतिवृष्टि और बाढ़, देश की सुरक्षा और अखंडता को कोई खतरा हो या कोविड–19 जैसी वैश्विक महामारी हो। अपनी कार्य– योजनाओं से वे जनहानि और अन्य नुकसान की रोकथाम का बेहतर प्रबंधन करने में कामयाब रहे हैं। हालिया चक्रवात बिपरजॉय से निपटने में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन और रणनीतियाँ कारगर सिद्ध हुईं। उन्होंने बिपरजॉय के संकट से निबटने के लिए शासनिक और प्रशासनिक मशीनरी को समय पूर्व सजग किया। स्वयं, केंद्र और गुजरात की एजेंसियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर चक्रवात के प्रभावी क्षेत्र के रहवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाना और बिजली, पानी, स्वास्थ्य और दूरसंचार जैसी आवश्यक व्यव स्थाओं के रख– रखाव को सुनिश्चित किया गया। प्रधान मंत्री ने पशुओं की सुरक्षा भी सुनि श्चित की, जो उनकी संवेदन शील ता का प्रमाण है। प्रधानमंत्री के निर्देशों का परिणाम ही रहा कि चक्रवात से निबटने की तैयारियों के अहम् अंग नियंत्रण कक्षों ने दिन–रात कार्य किया और कर रहे हैं।पिछले लगभग एक दशक में भारत के विभिन्न क्षेत्र में आये चक्रवातों से जनहानि को रोकने के भरपूर प्रयास हुए हैं।कुछ खतरनाक चक्र वातों में जनहानि भी हुई। लेकिन बिपर जॉय चक्रवात से निपटने के लिये जो अग्रिम व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई उसमें जन–सुरक्षा को प्राथमि कता पर रखा गया। जैसा कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक भारत के कई राज्यों में तेज हवाओं के साथ बारिश भी हो सकती थी। इन परिस्थितियों को देखते हुए प्रभावी कार्य–योजना बना कर संबंधित राज्यों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये। मेरा मानना है कि इन तमाम व्यवस्थाओं के चलते बिपर जॉय के प्रभाव से होने वाली जनहानि को रोका जा सका।0–कैसे हो पाता है यह सबरूजैसा कि हम जानते हैं कि भारत में लगभग 58 प्रतिशत भू–भाग सामान्य से लेकर बहुत अधिक तीव्रता वाला भूकंप संभावित क्षेत्र है और 40 मिलियन हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र यानी देश के 12 प्रतिशत भू–भाग में बाढ़ की संभावना बनी रहती है। हमारे यहाँ 7516 किलोमीटर तक तटीय क्षेत्र में लगभग 5700 किलोमीटर क्षेत्र चक्रवात और सुनामी संभा वित क्षेत्र है।प्रधानमंत्री जी ने इन सब बातों का ख्याल रखते हुए ही आपदा प्रबंधन की रणनीतियों पर बहुत ध्यान दिया है ताकि आपदा से प्रभावित होने वाले गरीब लोगों को जान–माल का नुकसान न हो।प्रधानमंत्री जी ने आपदा प्रबंधन की जो रणनीति अपनाई है उसमें पहला और सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है आपदा के पूर्व प्रबंधन और तैयारी। इसके बाद भी आपदा घटित हो और तैयारियाँ नाकाफी साबित हों और आपदा से नुक सान हो जाए तो पुनर्वास की पूरी तैयारी। पुनर्वास के बाद पुनर्नि र्माण और सामान्य स्थिति की बहाली। प्रधानमंत्री जी ने इन सभी बिन्दुीओं को एक साथ अपनी प्रबंधन रणनीति में पिरोया है। उनके प्रयासों से आज हमारे देश में आपदा प्रबंधन अनिवार्य रुप से विकास की प्रक्रिया में शामिल है।इसके अलावा प्रधानमंत्री जी ने आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी मंत्रालयों की भूमिका को और ज्यादा सुदृढ़ बनाया है।परमाणु ऊर्जा, नागरिक उड्डयन, भू–विज्ञान, पर्यावरण एवं वन,गृह, स्वास्थ्य, रेल, अंतरिक्ष और जल संसाधन जैसे मंत्रालयों को उन्होंने आपदाओं के प्रबंधन की तैयारियों से जोड़े रखा है।प्रधानमंत्री ने आपदाओं के पूर्वानुमान और चेतावनी देने वाली प्रणालियों को आधुनिकतम बनाने और नवीनतम प्रणालियों के उपयोग करने पर भी जोर दिया है। जिससे सभी संबंधित एजेंसियाँ अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए आपदाओं के पूर्वानुमान के प्रति सचेत रहती है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन, पैसि फिक सुनामी चेतावनी प्रणाली और अन्य क्षेत्रीय एवं ग्लोबल संस्थाओं के साथ भी श्री मोदी का निरंतर संपर्क बना रहता है।मैं, मध्यप्रदेश के नागरिकों की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी का हृदय से अभिनंदन करता हूँ,जिनकी दूरदृष्टि और प्रभावी रणनीति से देशवासियों को सुरक्षा कवच के साथ सुख–समृद्धि का साथ भी मिला है। ब्लागर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं।

आपदा से निबटने की तैयारियों को मोदी ने जो नई दिशा दी, उसी के चलते बिपरजॉय से जनहानि नहीं हुई

शिवराज सिंह चौहान

हालिया चक्रवात बिपरजॉय से निपटने में भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन और रणनीतियाँ कारगर सिद्ध हुईं। उन्होंने बिपरजॉय के संकट से निबटने के लिए शासनकि और प्रशासनिक मशीनरी को समय पूर्व सजग किया। भारत में प्रायरू हर साल चक्रवात तूफान आते रहते हैं चाहे अरब सागर में हों या बंगाल की खाड़ी में। आम तौर पर, चक्रवात कम दबाव वाले क्षेत्र के आसपास वायुमंडलीय गड़बड़ी से उत्पन्न होते हैं। चक्रवातों के बाद आमतौर पर भयंकर तूफान और खराब मौसम आते हैं। यदि हम पिछले 2 से 3 दशक की घटनाओं पर नजर डालें तो भारत को जिन –जिन खतरनाक तूफानों का सामना करना पड़ा, उसमें जान–माल की हानि के साथ बड़ी संख्या में जनहानि भी उठानी पड़ी। इसके विपरीत हाल ही में गुजरात में आये चक्रवात बिपरजॉय की सूचना मिलने पर केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा एहति यातन की गई तैयारियों ने कम से आपदाओं में घर के जो मुखिया जिस सतर्कता, धीरज, विवेक और गंभीरता का परिचय देकर संकट की भयावहता को शून्य करने में सफल होते हैं, वही इतिहास में धीरोदात्त नायक के रूप में स्थापित होते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के पिछले नौ सालों के कार्यकाल में यह बार–बार सिद्ध हो चुका है कि वे किसी भी संकट से देशवासियों की प्राण–रक्षा के लिये आपदा में धैर्य नहीं खोते और सुविचारित रणनीतियों के साथ मुकाबला करते हैंय चाहे वह चक्रवात हो, अन्यस प्राकृतिक संकट हों या अतिवृष्टि और बाढ़, देश की सुरक्षा और अखंडता को कोई खतरा हो या कोविड–19 जैसी वैश्विक महामारी हो। अपनी कार्य– योजनाओं से वे जनहानि और अन्य नुकसान की रोकथाम का बेहतर प्रबंधन करने में कामयाब रहे हैं। हालिया चक्रवात बिपरजॉय से निपटने में भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन और रणनीतियाँ कारगर सिद्ध हुईं। उन्होंने बिपरजॉय के संकट से निबटने के लिए शासनिक और प्रशासनिक मशीनरी को समय पूर्व सजग किया। स्वयं, केंद्र और गुजरात की एजेंसियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर चक्रवात के प्रभावी क्षेत्र के रहवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाना और बिजली, पानी, स्वास्थ्य और दूरसंचार जैसी आवश्यक व्यव स्थाओं के रख–रखाव को सुनिश्चित किया गया। प्रधानमंत्री ने पशुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित की, जो उनकी संवेदन शीलता का प्रमाण है। प्रधानमंत्री के निर्देशों का परिणाम ही रहा कि चक्रवात से पिछले लगभग एक दशक में भारत के विभिन्न क्षेत्र में आये चक्रवातों से जनहानि को रोकने के भरपूर प्रयास हुए हैं। कुछ खतरनाक चक्रवातों में जनहानि भी हुई। लेकिन बिपरजॉय चक्रवात से निपटने के लिये जो अग्रिम व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई उसमें जन–सुरक्षा को प्राथमिकता पर रखा गया। जैसा कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक भारत के कई राज्यों में तेज हवाओं के साथ बारिश भी हो सकती थी।इन परिस्थितियों को देखते हुए प्रभावी कार्य–योजना बना कर संबंधित राज्यों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये। मेरा मानना है कि इन तमाम व्यव स्थाओं के चलते बिपरजॉय के प्रभाव से होने वाली जनहानि को रोका जा सका।जैसा कि हम जानते हैं कि भारत में लगभग 58 प्रतिशत भू–भाग सामान्य से लेकर बहुत अधिक तीव्रता वाला भूकंप संभावित क्षेत्र है और 40 मिलियन हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र यानी देश के 12 प्रतिशत भू–भाग में बाढ़ की संभावना बनी रहती है। हमारे यहाँ 7516 किलोमीटर तक तटीय क्षेत्र में लगभग 5700 किलोमीटर क्षेत्र चक्रवात और सुनामी संभावित क्षेत्र है। प्रधानमंत्री जी ने इन सब बातों का ख्याल रखते हुए ही आपदा प्रबंधन की रणनीतियों पर बहुत ध्यान दिया है ताकि आपदा से प्रभावित होने वाले गरीब लोगों को जान–माल का नुकसान न हो। प्रधानमंत्री जी ने आपदा प्रबंधन की जो रणनीति अपनाई है उसमें पहला और सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है आपदा के पूर्व प्रबंधन और तैयारी। इसके बाद भी आपदा घटित हो और तैयारियाँ नाकाफी साबित हों और आपदा से नुक सान हो जाए तो पुनर्वास की पूरी तैयारी। पुनर्वास के बाद पुनर्निर्माण और सामान्य स्थिति की बहाली। प्रधानमंत्री जी ने इन सभी बिन्दुीओं को एक साथ अपनी प्रबंधन रणनीति में पिरोया है। उनके प्रयासों से आज हमारे देश में आपदा प्रबंधन अनिवार्य रुप से विकास की प्रक्रिया में शामिल है। इसके अलावा प्रधानमंत्री जी ने आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी मंत्रालयों की भूमिका को और ज्यादा सुदृढ़ बनाया है। परमाणु ऊर्जा, नागरिक उड्डयन, भू–विज्ञान, पर्यावरण एवं वन, गृह, स्वास्थ्य, रेल, अंतरिक्ष और जल संसाधन जैसे मंत्रालयों को उन्होंने आपदाओं के प्रबंधन की तैयारियों से जोड़े रखा है।

कांग्रेस की समझ, अपनी ही विरासत की उपेक्षा करने में पारंगत हो रही पार्टी

यह महज दुर्योग नहीं हो सकता कि कांग्रेस की नजर में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग तो पक्के तौर पर सेक्युलर है लेकिन गीताप्रेस सांप्रदायिक।इसे भी विस्मृत नहीं किया जा सकता कि एक समय कांग्रेस अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के विरुद्ध थी।किसी के लिए भी समझना कठिन है कि गीताप्रेस को 2021 का गांधी शांति पुरस्कार मिलने पर कांग्रेस को क्या आपत्ति हो सकती है, लेकिन उसे केवल इससे परेशानी ही नहीं है,बल्कि उसकी समझ से यह सावरकर और गोडसे को पुरस्कार देने जैसा भी है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह समझ एक धुर वामपंथी लेखक की ओर से गीताप्रेस पर लिखी गई पुस्तक के आधार पर विकसित की है। इस पुस्तक में लिखा गया है कि महात्मा गांधी और गीताप्रेस के संस्थापक हनुमान प्रसाद पोद्दार के बीच कुछ विषयों पर असहमति उभर आई थी। गांधी जी से असहमत तो सुभाष चंद्र बोस और भीमराव आंबेडकर सरीखे नेता भी थे। क्या इन नेताओं को मान–सम्मान दिया जाना गोडसे को पुरस्कृत करने जैसा हो जाएगा? इस प्रश्न का उत्तर जयराम रमेश ही दे सकते हैं, लेकिन उन्हें इससे परिचित होना चाहिए कि नरसिंह राव के प्रधानमंत्री रहते केंद्र सरकार ने हनुमान प्रसाद पोद्दार के सम्मान में डाक टिकट निकाला था। उन्हें और साथ ही राहुल गांधी को इस तथ्य से भी अवगत होना चाहिए कि सावरकर पर डाक टिकट तब निकला था, जब इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं।वास्तव में अपने अतीत की ऐसी ही खुली अनदेखी से कांग्रेस के बारे में यह कहा जाने लगा है कि वह अपनी ही विरासत की उपेक्षा करने में पारंगत हो गई है। यह मानने के अच्छे–भले कारण हैं कि जयराम रमेश सनातन धर्म–संस्कृति और संस्कार के प्रचार–प्रसार में महती योगदान देने वाली गीताप्रेस की महत्ता से या तो परिचित नहीं या फिर उन्होंने उसकी जानबूझक र अनदेखी करना ही सही समझा।यह महज दुर्योग नहीं हो सकता कि कांग्रेस की नजर में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग तो पक्के तौर पर सेक्युलर है।

भारत की सनातन परम्परा की ताकत है योगः प्रो. राजशरण शाही

–कार्य में कौशल का विकास करता है योगः प्रो. निर्मला एस. मौर्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नवम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनपद में विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही स्कूल कॉलेज और अन्य जगहों पर वृहद रूप से योग दिवस आयोजित किया गया जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इसी क्रम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में बुधवार को योग सप्ताह का समापन समारोह मनाया गया। यह 15 जून से 21 जून 2023 तक आयोजित किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि डॉ भीमराव अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रो. राजशरण शाही थे।

प्रो. शाही ने कहा कि भारत की सनातन परंपरा की ताकत योग है। विदेशी आक्रांताओं ने मूल परंपराओं और विरासत पर हमला करने की कोशिश की लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली क्योंकि हमारी मूल चेतना में अध्यात्म और योग है। योग देश की आत्मा, अनुशासन और साधना है। भारत युवा आबादी का सदुपयोग कर विश्व गुरु बनने की कोशिश करता है जबकि विश्व के अन्य देश महाशक्ति बनने में विश्वास करते हैं, क्योंकि महाशक्ति एक दूसरे को पराजित करती है न कि उत्थान।

योग शिविर की अध्यक्षता करतीं हुईं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि योग हमारे कार्य में कौशल उत्पन्न करता है। यह हमें साधना की ओर ले जाते हुए ईश्वर से जोड़ता है। साथ ही तन और मन को स्वस्थ रखता है, इसका संतुलन ही योग है। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति में आत्मविश्वास पैदा करता है। यह मानव के मार्ग को सुगम बनाता है। उन्होंने कहा कि नवम अमृत योग सप्ताह उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आर्ट आफ लिविंग बेंगलूरू के योग प्रशिक्षक जयसिंह गहलोत ने मंगलाचरण वंदना से योग की शुरुआत की। उन्होंने तितली आसन, शवआसन, सूर्य नमस्कार, नाड़ी शोधान, ताड़ आसन समेत कई आसनों का अभ्यास कराया। इसके पूर्व सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित कर समारोह का शुभारंभ किया गया। । इस अवसर पर स्वागत प्रो. मानस पांडेय, कार्यक्रम संयोजक प्रो अजय द्विवेदी ने धन्यवाद ज्ञापन और संचालन डॉ राजेश सिंह ने किया।

जीवन पर्यंत निरोग रहने की कुंजी है योग : डॉ एन के बाजपेई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री जयनारायण मिश्र, महाविद्यालय, केकेसी, लखनऊ मे आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने एकत्रित होकर सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया। छात्र–छात्राओं ने प्राणायाम, कपालभाति, भ्रामरी प्राणायाम, मयूर आसन, भुजंगासन, हलासन सहित शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्यवर्धन करने वाले अनेको आसनों का अभ्यास किया। छात्र–छात्राओं ने योगाभ्यास की आखिरी कड़ी में शवासन एवं हास्य योगा का आनंद लिया। कार्यक्रम के आरंभ में संयोजक एवं योगा क्लब के प्रभारी डॉ एन के बाजपेई ने अतिथियों एवं सभी छात्र छात्राओं का स्वागत करते हुए कहां कि, जीवन पर्यंत निरोग रहने की कुंजी है योग। निरंतर योगाभ्यास,व्यक्ति को पूर्ण रूप से निरोग बनाता है, लेकिन योगासनों को उनके नियमानुसार,धैर्य के साथ करना चाहिए अन्यथा वांछित परिणाम मिलने में देर हो सकती है।

प्राचार्य प्रो मीता साह एवं उप प्राचार्य प्रो विनोद चंद्रा ने अपने संदेश में सभी छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रीय सेवा योजना, कार्यक्रम अधिकारी, डॉ विजय राज श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए छात्र–छात्राओं का आह्वान किया कि, वे योग को अपनाने एवं समाज व देश में इसके प्रति लोगों में जन जागरण के लिए प्रयास करें।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि, प्रो बलवंत सिंह, पूर्व कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना ने छात्र छात्राओं को उत्साहवर्धक कविताएं तथा शायरी सुनाई।

योग दिवस समारोह में डॉ सुयश शुक्ला, डॉ सुमन पांडे, डॉ बलवंत सिंह, डॉ एन के बाजपेई एवं डॉ विजय राज श्रीवास्तव सहित अनेक छात्र छात्राएं एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

योग दिवस समारोह आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

राजाजीपुरम,लखनऊ। आर्य समाज राजाजीपुरम के प्रांगण में योग दिवस के उपलक्ष में योग शिविर का आयोजन किया गया। जिसके आयोजक रमाकांत सिंह थे। योग शिविर में आर एस चौरसिया, डॉक्टर एस के सिंह, रामचंद्र गुप्ता, राम इकबाल त्रिपाठी, राम विशाल पांडे, सरोज सेवक, संजय द्विवेदी, मदन मोहन गुप्ता, केशव प्रसाद पाठक, अनिल बडेरा, लाल बहादुर मौर्य, गोपाल जी श्रीवास्तव, राम शंकर तिवारी ने भाग लिया।

योग शिविर का संचालन विजय मित्र द्विवेदी गुरुजी तथा डॉ आलोक द्विवेदी द्वारा किया गया।

तीन दिवसीय योग कार्यशाला आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सेठ एम. आर. जयपुरिया, गोयल कैम्पस में १६ जून से २१ जून २०२३ तक षतीन दिवसीय योग दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशालाष का आयोजन सुबह ६रू३० से ७रू३० बजे तक योग्य प्रशिक्षक की देख रेख में किया गया। जिसमें प्रधानाचार्या डॉ. रीना पाठक , उपप्रधानाचार्य सुशांत श्रीवास्तव एवं शिल्पी जैन ने सभी अध्यापकों के साथ कार्यशाला में सक्रियता पूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर छात्रों,अभिभावकों के साथ साथ आसपास के अन्य लोगों ने भी लाभ उठाया। विद्यालय ने छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योगमुद्राओ को दिखाने के लिए कोलाज प्रतियोगिता का आयोजन किया और प्राइमरी कक्षा के विद्यार्थियों ने अपने अपने वीडियो भेज कर इस प्रतियोगिता में भाग लिया। विद्यालय के चेयरमैन महेश अग्रवाल ने सभी से अपने दैनिक जीवन में नियमित रूप से योग को अपनाने का संदेश देते हुए कार्यशाला का समापन किया।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ के लिए योग जरूरी : उर्वशी सिँह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर – अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय नवे योग दिवस के अवसर पर योगा कार्यक्रम शहर के लोहिया पार्क में समाजसेवा समिति के अध्यक्ष वंशिका सिंह के अध्यक्षता में संपन्न हुआ!

योग प्रशिक्षक अर्जुन सिंह , त्र्यंबक मिश्र दिव्य योग मंदिर के द्वारा प्रोटोकाल के अंतर्गत ट्रस्ट परिवार के साथ आम जनमानस को पार्क में योग का अभ्यास कराया गया! योग प्रशिक्षक अर्जुन सिंह ने कहा कि आज समाज में गलत खान पान और अनियमित दिनचर्या के कारण बहुत सारी ऐसी बीमारियाँ हो रहीं, जिससे बचने के लिए हमे रोज योग करना चाहिए! आज लोग सिर्फ दिवस पर ही योग करते हैं पर ऐसा गलत है हमे अपने नियमित कार्यो की तरह योगा को भी सम्मलित करना चाहिए! योग प्रशिक्षक त्र्यंबक मिश्र ने कहा कि योग को अपने जीवन में रोज का आधार बनाए, एक दिन करने से कोई भी निदान नहीं होगा! ट्रस्ट की अध्यक्ष उर्वशी सिँह ने कहा कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ के लिए योग अति आवश्यक है आज इतने भागदौड़ भरे माहौल मे लोग अपने स्वास्थ के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं, बाकी हर कार्य के लिए उनके पास समय रहता है, पर समय की मांग को देखते हुए हम सबको नियमित रूप से अपने जीवन शैली में व्यायाम और योग को स्थान देना चाहिए, हमारी सरकार भी आज इस मुद्दे पर बहुत ध्यान दे रही है और लोगों को जागरूक भी करने का कार्य कर रही है! मीरा अग्रहरी ने योग शिविर में आए हुए लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप ट्रस्ट परिवार से डॉ पी के सिंह, ज्योति श्रीवास्तव, मधुलिका श्रीवास्तव, पूर्व प्राचार्य प्रेमलता सिंह, शिप्रा तिवारी, शिवानी चौरसिया, दीपक श्रीवास्तव पत्रकार ,ज्ञान चन्द गुप्ता, आशीष श्रीवास्तव,, मयंक नारायण, कनक सिंह और अन्य लोग मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया फैसला

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। पूर्व घोषित कार्यक्रमानुसार आज स्थानीय कामनहॉल ए–ब्लॉक दारूलशफा में सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की महत्वपूर्ण प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अमरनाथ यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक प्रदेश पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, मण्डलीय संगठन मंत्रियों, सम्बद्ध संगठनों के अध्यक्ष महामंत्रियों सहित प्रदेश भर के जनपदीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में वक्ताओं ने कैशलेश इलाज, चिकित्सा व्ययपूर्ति में आ रही भारी कठिनाई सहित अन्य मुद्दों के प्रति सरकार की उदासीनता पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुये सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित कर आंदोलनात्मक कार्यक्रम का निर्णय लिया है।

लिये गये निर्णयों की जानकारी देते हुये वरिष्ठ उपाध्यक्ष बी0एल0 कुशवाहा एवं महामंत्री ओ0पी0 त्रिपाठी ने बताया कि चरणबद्ध आन्दोलन की श्रंखला में जुलाई एवं अगस्त महीने में जनपदों में मुद्दों के प्रति जन–जागरण एवं सदस्यता अभियान चलाया जायेगा तथा जिन जनपदों में अधिवेशन/चुनाव ड्यू है, वहां कराये जायेंगे। अगले चरण में 20 सितम्बर को सभी जनपदों में धरना, प्रदर्शन, रैली कर जिलाधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री को अनुस्मारक ज्ञापन प्रस्तुत किया जायेगा। 18 अक्टूबर को लखनऊ में प्रान्तीय धारना, प्रदर्शन व रैली का आयोजन होगा, जिसमें प्रदेश भर से पेंशनर्स भाग लेंगे और 03 नवम्बर को जंतर–मंतर दिल्ली में केन्द्रीय कर्मचारी फेडरेशन, ऑल इण्डिया स्टेट गर्वनमेन्ट कर्मचारी फेडरेशन तथा श्रम संगठनों के संयुक्त आवाह्न पर ज्वलंत मुद्दों को लेकर आयोजित राष्ट्रीय धरना, प्रदर्शन, रैली में पेंशनरों की भागीदारी का भी निर्णय लिया गया है।

लम्बित मुद्दों को इंगित करते हुये प्रतिनिधियों के कहा कि चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग ने जोर–शोर से प्रचार–प्रसार करके मुख्यमंत्री जी से कैशलेश इलाज योजना का इवेन्ट तो बनवा लिया पर धरातल पर यह इलाज मिल नहीं पा रहा है। कहीं बजट का अभाव है तो कहीं अस्पताल कार्ड स्वीकार करने को तैयार नहीं है। सी0जी0एच0एस0 पैटर्न पर सम्बद्ध अस्पतालों को भी इस योजना से अलग रखा गया है, जिसे शामिल किया जाना चाहिये तथा कैशलेश इलाज व्यवस्था सभी रोगों के इलाज के लिए होना चाहिये। पेंशनरों को इस उम्र में इलाज की सर्वाधिक आवश्यकता होती है। आर्थिक कठिनाई में रहकर किसी तरह इलाज कराते हैं, लेकिन उसकी प्रतिपूर्ति में भारी कठिनाई हो रही है ऊपर से टी0डी0एस0 कटौती भी की जा रही है, जबकि यह आय नहीं भरपाई है, इसके अलावा राशिकरण धनराशि की भरपाई लगभग 08 वर्ष 03 माह में हो जा रही है फिर भी पेंशनर से 15 वर्षों तक जबरन वसूली की जा रही है, जो न्यायोचित नहीं है। जनवरी 2020 से जून 2021 तक 18 महीने के फ्रीज महंगाई राहत के एरियर का भुगतान अब तक नहीं किये जाने, जैसे तमाम मुद्दों पर सरकार के उदासीन रवैये से पेंशनर समाज में असंतोष व्याप्त है।

बैठक में सचिवालय संघ के पूर्व अध्यक्ष तथा राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष एवं हाल ही में सदस्य विधान परिषद मनोनीत किये गये डॉ0 लालजी प्रसाद निर्मल का माला एवं शाल भेंट कर स्वागत व सम्मान किया गया। अपने सम्बोधान में एम0एल0सी0 निर्मल ने कर्मचारियों, पेंशनर्स की समस्या सरकार के सामने तथा सदन के सामने उठाने हेतु आश्वस्त किया।

बैठक में अध्यक्ष अमरनाथ यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बी0एल0 कुशवाहा, महामंत्री ओ0पी0 त्रिपाठी के अलावा उपाध्यक्षगण, सुभाष चन्द्र त्यागी, रामेश्वर प्रसाद पाण्डेय, एस0के0 मिश्रा, नरेन्द्र कुमार, अंगद सिंह, उमेश सिंह, कोषाध्यक्ष आर0सी0 उपाध्याय संयुक्त मंत्री अशोक मौर्या, संगठन मंत्री आर0सी0 मिश्रा, मण्डलीय संगठन मंत्रीगण मेराज खां, उदय राज सिंह, शिवध्यान सिंह, आर0सी0 पाण्डेय, अजय सिंह वर्मा, राजेश पाण्डेय, जनपदीय पदाधिकारियों सी0बी0 सिंह, अशोक सोनी, जे0के0 सिंह, अनूप सिंह पैसल, वी0बी0 कटियार, कप्तान सिंह, भूपसिंह, एन0पी0 सिंह, अशोक शर्मा, उदय प्रताप पाल, ददन सिंह, मयंक कुमार द्विवेदी, धर्मदेव उपाध्याय, मनोकर्णिका उपाध्याय, अब्दुल कयूम खान, आर0पी0 पाण्डेय, संतलाल सोनकर, शिवमूर्ति पाण्डेय, संजय कुमार पाण्डेय, जयंती प्रसाद जयंती, लालाराम यादव, बी0पी0 द्विवेदी, अशोक सिंह, रघुवीर सिंह, महिपाल सिंह राजपूत, चन्द्रपाल यादव, सुभाष चन्द्र यादव, बी0के0 पाण्डेय, विजेन्द्र सिंह, दयाराम त्रिपाठी, दिनेश बाजपेई, गुदड़ी सिंह कुशवाहा, एस0के0 अवस्थी, बाबूलाल वर्मा, आर0के0 सोनी आदि ने विचार व्यक्त किया।

अन्त में दो मिनट का मौन रखकर संगठन के दिवंगत प्रान्तीय उपाध्यक्ष मिठाई लाल भारती एवं बागपत के अध्यक्ष सत्यपाल सिंह त्यागी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुये श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

योग करने के कारण हम सब स्वस्थ हैं : वृद्धाश्रम संवासी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

हरदोई। जीवन का पहला सुख निरोगी काया। जीवन में जिसने योग को अपनाया।जीवन उसने ही सफल बनाया। योगाचार्य रूचि पाण्डेय ने आज सामाज कल्याण विभाग से प्रायोजित एवं सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा संचालित वृद्धाश्रम, अल्लीपुर, हरदोई मे नवम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित योग शिविर में रहने वाले 108 बुजुर्गों एवं 16 कार्यकर्ता गणों को जीवन संजीवनी योग कराया। रूचि जी ने सूर्यनमस्कार, त्रिकोण आसन, पश्चिमत्तमोसान, तड़ासन, आदि विभिन्न आसनों की उपयोगिता बताते हुये कराये साथ ही प्राणायाम एवं सूक्ष्म व्यामों का अभ्यास कराया ।

वृद्धाश्रम प्रबन्धक शालू जायसवाल ने कहा कि वैसे तो अपने आश्रम मे नियमित योगाभ्यास कराया जाता है लेकिन आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सम्पूर्ण विश्व मे एक साथ योग करके आत्मगौरव की अनुभूति हो रही है।

लेखाकार रूचि पाण्डेय ने योग शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक क्षमता मे वृद्धि कर हमेशा ऊर्जावान रखता है।

वृद्धाश्रम संवासी रामस्वरूप, छोटे,राजनाथ,लक्ष्मण आदि बाबाओं ने योग से हुये लाभों को सबके साथ साझा किया। वृद्धाश्रम संवासी कटोरी, प्रीति,रामकोला,किशनी,आदि दादी ने कहा कि योग करने के कारण हम सब इस अवस्था मे स्वस्थ हैं।

स्वस्थ शरीर के लिए योग अवश्य करें

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है। इस दिन मनाने का कारण है कि यहदिन पूरे साल में सबसे लम्बा होता है और योग भी मनुष्य को दिर्घायु एवं स्वस्थ जीवन प्रदान करताहै।

योग को प्राचीन भारतीय कला का एक प्रतीक माना जाता है भारतीय योग को जीवन में सकारात्मकऔर ऊर्जावान बनाये रखने के लिए महत्वपूर्ण मानते है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य योग के प्रतिलोगों में जागरूकता पैदा करने के साथ लोगों को तनावमुक्त करना भी है।

आज अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एस के डी एकेडमी के सभी शाखाओं के स्टाफ व बच्चों ने विद्यालय में आकर एवं अपने घर पर ही रहकर योगासन किये एवं अपने परिवार के सदस्यों को भी योग करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर एस के डी एकेडमी के निदेशक श्री मनीष सिंह जी ने भी स्वयं योगा अपने घर परकरके उसकी तस्वीरें शेयर की एवं सभी बच्चों को ऑनलाइन सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा यही संदेश है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वस्थ जीवन के लिए प्रतिदिन योग अवश्य करना चाहिए। क्योंकि स्वस्थ मन व स्वस्थ शरीर से ही स्वस्थ समाज का शारीरिक, मानसिक एवं आध्यत्मिक उत्थान संभव है।

योग दिवस पर लखनऊ व्यापार मंडल ने किया योग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा ने बताया कि योग दिवस पर लखनऊ व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष साकेत शर्मा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राजू शुक्ला, सुधीर, राहुल व अन्य बरसात के बावजूद लोगो ने भाग लिया।

देश का जनमानस योग करे तथा स्वस्थ भारत का निर्माण हो : डॉ.अरुण कुमार भरारी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मद्देनजर नोवा इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज लखनऊ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक लघु व्याख्यान सत्र एवं आयुष मंत्रालय के प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें संस्थान के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी गण, शिक्षक एवं शिक्षिकाओं सहित सभी छात्र एवं छात्राओं ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर योग के प्रति सभी छात्र एवं छात्राओं में काफी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में लघु व्याख्यान सत्र में आई. एन.ओ. उत्तर प्रदेश एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य डॉ. अरुण कुमार भरारी ने कहा कि देश का जनमानस योग करे तथा स्वस्थ भारत का निर्माण हो। योग प्रशिक्षक डॉ.नितिन सिन्हा एवं योग प्रशिक्षिका नीतू पांडेय द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को आयुष मंत्रालय के प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास,प्राणायाम,ध्यान एवं शांति पाठ करवाया गया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का भी संकल्प लिया। कार्यक्रम में संस्थान के प्रबंधक वीरेंद्र सिंह, निदेशक शिवाकांत,प्रधानाचार्य, डा.एस.एम. आरफीन,अविनाश सिंह,गोविंद सिंह बिष्ट तथा महेश विश्वकर्मा सहित लगभग 300 से अधिक लोगों ने सहभागिता की ।

योग का मतलब है स्वयं में ऊर्जा को समाहित करना . डा अंजना सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । विश्व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संगठन द्वारा लोहिया पार्क में योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर विनोद सिंह ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर योग गुरु अमरनाथ जी लोगों को बीमारियों से बचने के लिए कई प्रकार के योग के गुण सिखाए जिनको करने से शरीर की विकृतियां दूर हो सकती हैं लोगों ने बहुत ही उत्साह के साथ योग शिविर में भाग लिया और योग का आनंद उठाया! इस अवसर पर राष्ट्रीय हिंदू भगवा वाहिनी के पदाधिकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रमेश सिंह राष्ट्रीय संगठन महामंत्री प्रदीप तिवारी प्रदेश संगठन महामंत्री शैलेंद्र सिंह योग संरक्षक रविंद्र सिंह कार्यक्रम संयोजक सर्वेंद्र सिंह व्यवस्थापक राम प्रताप सिंह, महिला प्रकोष्ठ की सीमा तिवारी ,माधुरी सिंह कार्यक्रम में उपस्थित सभी सम्मानित मात्र शक्तियां एवं योग सार्थक उपस्थित रहे।

वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती साख से दुश्मन देश घबराए : दर्शना सिंह

–तीसरी बार फिर केंद्र में प्रचंड बहुमत से बनेगी सरकार : दर्शना सिंह

जौनपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के नौ वर्ष के कार्यकाल में जितना विकास कार्य हुआ है उतना 70 सालों में नहीं हुआ। विकास कार्यों और उपलब्धियों के बल पर भाजपा लगातार तीसरी बार केंद्र में प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। पीएम मोदी की अगुवाई में देश का सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है। यह बातें बुधवार को केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर आयोजित मल्हनी विधानसभा में राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला मोर्चा दर्शना सिंह ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि मेक इन इंडिया के तहत उद्योगों के विकास के लिए आधुनिक और सुविधाजनक बुनियादी ढांचा तैयार हुआ। डिफेंस इंडिस्ट्रयल कॉरिडोर योजना के जरिए रक्षा क्षेत्र में विदेशी निर्भरता कम हुई है और भारत पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ती हुई तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि किसानों को समृद्धिशाली बनाने के लिए किसान सम्मान निधि योजना चलाई गई है और नमामि गंगे योजना से सभी नदियों को स्वच्छ किया जा रहा है। केंद्र सरकार की ऐसी बहुत सारी उपलब्धियां है जिससे भारत समृद्धि और मजबूत बन रहा है। मोदी सरकार में बिना भेदभाव हर वर्ग को अधिकार और सम्मान मिला है। वही वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती साख से दुश्मन देश घबराए हुए हैं।

उन्होंने आगे बताया कि मोदी सरकार ने देश में ही नहीं विदेशों में भारत का डंका बहुत जोशीले अंदाज में बढ़ाया है इससे भारत देश का गौरव ऊंचा हुआ है साथ ही गरीबों के लिए विशेषकर आवास शौचालय सड़क बिजली पानी उज्जला योजना लागू करके गरीबों के उत्थान के लिए एक मिसाल कायम किया है। आने वाले समय में जनता के आशीर्वाद और उनके किए गए कार्य से तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से उन्हें कोई रोक नहीं पायेगा छोटे दल सभी उनके विरोध में एकजुट हो रहे है लेकिन भाजपा की सरकार ष्सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वासष को साथ लेकर चल रही है जिससे जनता का विश्वास भाजपा सरकार में बढ़ा है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र की मोदी सरकार आज गरीब पिछड़े व अंन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए दृढ़ संकल्प हैं। प्रधान मंत्री जी ने दूर–दराज के लोगों को पानी की पर्याप्त उपलब्धता के लिए ''हर घर नल योजना'' के तहत केन्द्र सरकार तेजी के साथ कार्य कर रही है, उन्होंने महिलाओं को खाना बनाने में हो रही दिक्कत को दूर करने के लिए निःशुल्क गैस कनेक्शन दिया जा रहा है। एक दौर ऐसा भी था जब देश के प्रधानमंत्री देश में व्याप्त भ्रष्टाचार को स्वयं स्वीकारते हुए यह कहते थे कि केंद्र की सरकार यदि गरीब कल्याण के लिए 100 पैसे भेजती है तो महज 15 पैसे ही उन जरूरतमंदो तक पहुंचते हैं जबकि आज नरेंद्र मोदी सरकार में जन–धन खाते के माध्यम से 100 के 100 पैसे पहुंचते हैं। आज नरेंद्र मोदी सरकार में प्रधानमंत्री गरीब आवास योजना के तहत 3 करोड़ से ज्यादा पक्के घरो का निर्माण कर उन्हे गरीबो को दिया गया और ज्यादातर घरो का मालिकाना हक महिलाओ को दिया गया। पहले किसानो के कर्ज माफी की सिर्फ घोषणाएं होती थी लेकिन आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के जरिए लगभग 2.5 लाख करोड़ किसानो के बैंक खाते में भेजे जा चुके हैं। जिसका सीधा लाभ देश के उन 11 करोड़ छोटे किसानो को हुआ जिनकी कभी किसी सरकार ने सुध नही ली थी। पीएम स्वामित्व योजना के माध्यम से भारत के गांवो में ड्रोन टेक्नोलॉजी द्वारा जमीन की मैपिंग की जा रही है। अब तक भारत के 2 लाख 34 हजार गांवो में ड्रोन सर्वे पूरा किया जा चुका है और 1 करोड़ 22 लाख प्रापर्टी कार्ड दिए भी जा चुके हैं। जिसका सीधा लाभ हमारे किसानो को हुआ है। 2014 में भारत की जीडीपी 112 लाख करोड़ के आसपास थी आज मोदी सरकार में भारत की जीडीपी बढ़कर 272 लाख करोड़ से ज्यादा हो चुकी है। 2014 में आम आदमी की सालाना आय जहां 80 हजार रूपए से भी कम थी आज बढ़कर 1.70 लाख रुपए से ज्यादा हो गई है। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट–अप इकोसिस्टम है भारत में लगभग 90 हजार से अधिक स्टार्ट–अप्स हैं जिसमे 100 से अधिक यूनिकॉर्न हैं।

पीयू की कुलपति ने की पौध भिक्षा की पहल

भिक्षा में मिले पौधों की बनेगी नर्सरी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने

विश्वविद्यालय में पौध भिक्षा की एक नई पहल की है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इसकी शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि पौधा ही भविष्य में जनमानस की पूंजी है। इसे संभालने और संवारने की जरूरत है। विश्वविद्यालय में हरियाली बढ़ाने के संकल्प से इस बेस्ट प्रैक्टिस का आरंभ किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की कुलपति की पहल का सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और अधिकारियों ने स्वागत किया है। उनका मानना है कि इंसान के दिलों तक पेड़, पौधों की खामोश भाषा पहुंचे और वह समझे कि बिन पेड़ जीवन सूना है। बुधवार को इस पहल माननीय कुलपति के पूर्व निजी सचिव रहे डा. के.एस. तोमर ने की। उन्होंने दान में विश्वविद्यालय को पांच पौधे दिए और खुद कुलपति, शिक्षकगणऔर अधिकारियों के साथ एकलव्य स्टेडियम में पौधरोपण किया।

उन्होंने कहा कि वृक्ष धरा का भूषण है। यह लंबे समय तक चलने वाला उपहार है। हमारी कोशिश होगी कि हम अपने अतिथियों का सम्मान पौधदान करके करें। इसके लिए पौधा भिक्षा अभियान चलाया जा रहा है। इससे संग्रहित पौध को विश्वविद्यालय में नर्सरी बनाकर रखा जाएगा। इसका मकसद अधिक से अधिक पौध लगाकर विश्वविद्यालय में हरियाली लाना और लोगों को जागरूक कर प्रेरित करना है। इससे ग्लोबल वॉर्मिंग के खतरे को कम करने, पर्यावरण को संतुलित रखने, हरियाली बढ़ाने के लिए यह अभियान चलाया जाएगा। इस कार्य से वातावरण के तापमान में बदलाव आएगा स उनका मानना है कि पौधरोपण वाले पौधे को गोद देकर उसकी पूरी जिम्मेदारी उसे गोद लेने वाले को दी जाएगी, ताकि पौधा सुरक्षित रह सके।

इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह. उपकुलसचिव अमृतलाल, सहायक कुलसचिव अजीत सिंह, बबिता सिंह, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. रजनीश भास्कर, डा. सुनील कुमार, सत्यम उपाध्याय, डा. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डा. मदनमोहन भट्ट, डा. राजेश सिंह, डा. पी.के कौशिक आदि उपस्थित थे।

किन्नर के साथ मारपीट में अभियुक्त गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर मछलीशहर थाना अंतर्गत पुलिस टीम द्वारा कस्बा मछलीशहर में किन्नर के साथ मारपीट कर उसके गहनों की चोरी करने के मुकदमें में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जौनपुर के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक किशोर कुमार चौबे के मार्गदर्शन में उ0नि0 मनोज कुमार पाण्डेय मय हमराह द्वारा मु0अ0सं0–122/23 धारा–382, 307, 411 IPC थाना मछलीशहर में वांछित अभियुक्त आशीष सिंह पुत्र अरविन्द सिंह निवासी जमालपुर घोरहां थाना मछलीशहर जौनपुर को लायल वंडर स्कूल के पास गिरफ्तार किया गया। कोतवाली मछलीशहर में रहने वाले लल्लू किन्नर अपने कमरे में बेसुध पाया गया, जिसे अज्ञात अभियुक्तों द्वारा मारपीट कर उसके गहने व पैसो को चोरी कर लिया गया था। उक्त घटना के सम्बन्ध में वादी श्री मोहम्मद फाजिल पुत्र मोहम्मद हारून निवासी मोहल्ला कोतवाली थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर की

तहरीरी सूचना पर थाना म0शहर पर मु0अ0सं0 122/23 धारा 382 IPC बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया, जिसकी विवेचना उ0नि0 मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा सम्पादित की जा रही है । दौरान विवेचना गहन छानबीन आदि संकलित साक्ष्यों से अभियुक्त आशीष सिंह पुत्र अरविन्द सिंह निवासी जमालपुर घोरहां थाना मछलीशहर जौनपुर व उसके साथियों का नाम प्रकाश में आया तथा मुकदमा उपरोक्त में धारा 307 IPC की बृद्धि की गयी। अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 1500 रू0 व एक मोबाइल बरामद हुई तथा इसके दो साथी अंधेरे का लाभ लेकर भागने में सफल रहे, जिनकी गिरफ्तारी हेतु दबिशें दी जा रही है। बरामदगी के आधार पर धारा 411 IPC की बृद्धि की गयी।

वीवीआईपी ड्यूटी पर आए दरोगा की मौत

संवाददाता

बलरामपुर। मुख्यमंत्री के आगमन पर कुशीनगर से वीवीआईपी ड्यूटी पर बलरामपुर आए सब इंस्पेक्टर कन्हैया कुमार सोमवार सुबह विश्राम स्थल में बिस्तर पर बेसुध पड़े मिले। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।वीवीआईपी ड्यूटी पर गैर जनपद से आए पुलिसकर्मियों के लिए तुलसीपुर के फैसल डिग्री कॉलेज में विश्राम स्थल बनाया गया था। जहां कुशीनगर जिले से आए उपनि रीक्षक कन्हैया कुमार सोमवार सुबह बिस्तर पर औंधे मुंह पड़े मिले। उनके साथ कुशीनगर से आए हेड कांस्टेबल लल्लन प्रसाद ने तुलसीपुर थाने में सूचना दी। सीओ राघवेंद्र सिंह व इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह तुरंत मौके पर पहुंचे और कन्हैया कुमार को सीएचसी तुलसीपुर पहुंचाया। वहां डॉ. सौम्या नायक ने कन्हैया को मृत घोषित कर दिया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. सुमंत सिंह चौहान ने बताया कि दरोगा कन्हैया कुमार को मृत अवस्था में सीएचसी लाया गया था। प्रथम दृष्टया उनकी मौत का कारण हार्ट अटैक प्रतीत हो रहा है।

उर्वरक व बीज की 64 दुकानों पर छापा, दो दुकानें निलंबित

संवाददाता

गोंडा। शासन के निर्देश पर डीएम नेहा शर्मा ने जिले भर में बीज दुकानों की जांच कराई। टीम ने 64 बीज विक्रेताओं की दुकानों पर छापा मारा। बीज वितरण में गड़बड़ी मिलने पर दो दुकानों का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। जबकि सात दुकान दारों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। अधिकारियों की टीम ने तीन दुकानदारों को चेतावनी जारी की है और 54 दुकानों से बीजों के नमूने एकत्र किए हैं। एक साथ हुई इस कार्रवाई से बीज विक्रेताओं में हड़कंप मच गया और कई जगहों पर दुकानें बंद कर दी गईं।बीज की दुकानों पर विक्रेताओं की तरफ से महंगे दामों पर बीज बिक्री की सूचना मिल रही थी। इस पर शासन की तरफ से सभी जिलों के डीएम को कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। डीएम नेहा शर्मा ने कृषि विभाग की चार अलग–अलग टीमों के जरिए सदर, करनैलगंज, मनकापुर व तरबगंज में एक साथ जांच कराई। इससे कई दुकानदार अपनी दुकान बंद कर गायब हो गए।सदर तहसील में उप कृषि निदेशक प्रेम ठाकुर व उप निदेशक उद्यान डीके वर्मा, करनैलगंज में जिला कृषि अधिकारी जेपीयादव व सहायक निबंधक सहाकारिता अशोक कुमार मौर्य, मनकापुर में उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी शिव शंकर चौधरी व अपर जिला सहकारी अधिकारी सताई राम वर्मा और तरबगंज में अपर जिला कृषि अधिकारी महेश गुप्ता व वरिष्ठ गन्ना निरीक्षक इंद्रमणि पांडेय की टीम ने जिले भर में कुल 64 बीज विक्रेताओं की दुकानों की जांच की।इनमें से 54 दुकानों से बीज के नमूने लिए गए।

इन नमूनों की गुण वत्ता की जांच के लिए उन्हे लैब भेजा गया है। उप कृषि निदेशक प्रेम ठाकुर ने बताया कि दो दुकानों पर तय कीमत से अधिक दाम पर बीज की बिक्री होते मिली। इस पर परसपुर की बीपी ट्रेडर्स व गोस्वामी बीज भंडार बेलवा चौराहा का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। बीज बिक्री में गड़बड़ी करने वाले करनैल गंज के गौतम खाद भंडार व प्रकाश बीज भंडार और तरबगंज के यादव बीज भंडार को चेतावनी जारी की गई है।इसके अलावा सात दुकानदारों बेलसर के फसल सुरक्षा केंद्र, मां वाराही खाद भंडार ढोढ़ेपुर, शिवकुमार वर्मा शेखाभारी, परमेश्वर शुक्ला बीज भंडार करनपुर, अरुण शुक्ला बीज भंडार व शुक्ला बीज भंडार करनैलगंज तथा सद्‌गुरुदेव बीज भंडार इंदिरा नगर को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

चिलचिलाती गर्मी से इमरजेंसी और ओपीडी में बढ़ी मरीजों की संख्या

संवाददाता

बलरामपुर। भीषण गर्मी के कारण जिला मेमोरियल अस्पताल व संयुक्त जिला चिकित्सालय में ओपीडी से लेकर इमरजेंसी तक में मरीजों की भीड़ बढ़ती ही जा रही है। चार दिन पहले जहां छह सौ मरीजों की ओपीडी होती थी, वहीं अब यह संख्या एक हजार को भी पार कर गई है। इमरजेंसी में रोजाना 50 से अधिक मरीज इलाज कराने पहुंच रहे हैं। अधिकतर मरीज डायरिया और बुखार से पीड़ित हैं।जिला मेमोरियल अस्पताल में सोमवार को इमरजेंसी में बुखार व उल्टी दस्त से पीड़ित 22 मरीज पहुंचे। वहीं संयुक्त जिला अस्पताल में भी ऐसे मरीजों की भीड़ अधिक रही। जिला मेमोरियल अस्पताल में बेटे का इलाज कराने आए पहलवारा निवासी पिंटू ने बताया कि दो दिन से बेटे के पेट में दर्द है। बाल रोग विशेषज्ञ को दिखाया है।वहीं सलीमुनिशा ने बताया कि उल्टी–दस्त की दवा लेने आई हूं। रिमझिम ने बताया कि तीन दिन से बुखार है। निजी मेडिकल स्टोर से दवा लेकर खा रही थी लेकिन कोई असर न होने पर आज अस्पताल में डॉक्टर को दिखाने आई हूं। इसी तरह रामजी, सुशील कुमार, मोहन, अब्दुल नियाज व सलीम आदि भी डॉक्टर को दिखाने के लिए ओपीडी के बाहर अपनी बारी का इंतजार करते मिले।जिला मेमोरियल अस्प ताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. रमेश पांडेय ने बताया कि बढ़ते तापमान ने लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाला है। ओपीडी में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।इनमें अधिकांश मरीज डायरिया और बुखार से पीड़ित होते हैं। बीमारी से बचने के लिए दोपहर के समय बाहर निकलने से बचें। पेय पदार्थों का उपयोग अधिक करें। बासी भोजन का प्रयोग न करें। ताप मान बढ़ने से मरीजों की संख्या बढ़ गई है।इस समय संयुक्त जिला चिकि त्सालय व जिला मेमोरियल अस्प ताल में रोजाना एक हजार से अधिक मरीज ओपीडी में पहुंच रहे हैं। अस्पताल आने वाले मरीजों को दवा सहित बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं मुहैया कराने का निर्देश चिकि त्सकों को दिया गया है।

लोकल फॉल्ट के नाम पर भीषण बिजली कटौती

संवाददाता

बलरामपुर। लोकल फॉल्ट के नाम पर शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में भारी बिजली कटौती की जा रही है। शहरी क्षेत्र में जहां पांच से छह घंटे बिजली कट रही है वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में 12 से 14 घंटे बिजली गायब रहती है। इससे क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश है। उपभोक्ताओं ने विभागीय उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर बदहाल विद्युत व्यवस्था में सुधार कराए जाने की मांग की है। शीघ्र सुधार न होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है।शहरी क्षेत्र में दिन और रात में करीब 10 से 12 बार लोकल फॉल्ट के नाम पर छह घंटे से अधिक बिजली काटी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में हालात और भी बदतर है।बिजली उपभोक्ता पिंटू, राजेश, संतोष कुमार, मो. शकील, इरफान,विवेक व राजू चौरसिया आदि का कहना है कि 24 घंटे बिजली आपूर्ति का सरकारी दावा हवा– हवाई साबित हो रहा है। एक तरफ जहां चेकिंग अभियान चलाकर विद्युत विभाग उपभोक्ताओं से बिजली बिल की वसूली कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ भारी विद्युत कटौती कर परेशानी भी बढ़ा रहा है। विभागीय कार्य प्रणाली के खिलाफ आक्रोश जताते हुए इन लोगों ने कहा कि यदि शीघ्र ही विद्युत आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन के लिए विवश होंगे। महराज गंज तराई। स्थानीय विद्युत उपकेंद्र पर पांच एमबीए का ट्रांसफॉर्मर लगाने की कवायद शुरू कर दी गई है। जेई राम सागर ने बताया कि विद्युत उपकेंद्र पर फाउंडेशन बनकर तैयार हो गया है। शीघ्र ही नया ट्रांसफॉर्मर मंगवाकर स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा लोड कम करने के लिए शिवपुरा और खैरहानिया के लिए नई विद्युत लाइन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इससे कोड़री, ललिया व जोगिया आदि क्षेत्र के लोगों को लाभ मिलेगा।

मॉर्निंग वाक पर निकले युवक की डंपर से कुचलकर मौत

संवाददाता

गोंडा। कटरा बाजार थाना क्षेत्र में करनैलगंज मार्ग पर परसौनी पुरवा के पास सोमवार सुबह टहलने निकले लांड्री मालिक की डंपर से कुचलकर मौत हो गई। हादसे के बाद चालक डंपर समेत भाग निकला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले में लांड्री मालिक के बेटे ने डंपर चालक के खिलाफ लापरवाही का केस दर्ज कराया है।कटरा बाजार क्षेत्र के बीरपुर गांव निवासी पवन श्रीवास्तव ने बताया कि उसके पिता राकेश कुमार श्रीवास्तव (48) गांव से कुछ दूर स्थित पेट्रोलपंप के पास लांड्री चलाते थे। सोमवार भोर वह टहलने निकले थे। राकेश कटरा–करनैलगंज मार्ग पर परसौनी पुरवा गांव के पास पहुंचे थे तभी करनैलगंज की ओर से आ रहे डंपर ने सामने से उन्हें कुचल डाला। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे बाद चालक डंपर समेत मौके से भाग गया।इंस्पेक्टर करुणाकर पांडेय ने बताया कि राकेश के बेटे पवन की तहरीर पर डंपर चालक के खिलाफ लापर वाही की रिपोर्ट दर्ज करके शव पोस्ट मार्टम के लिए भेजा गया है। हादसा करने वाले डंपर का पता लगाकर कार्रवाई की जाएगी।राकेश कुमार के परिवार में पत्नी नीलम, बेटे पवन, सूरज व रोहित और बेटी पालकी है। राकेश पर ही परिवार के देखरेख की जिम्मेदारी थी। राकेश की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। पत्नी नीलम व बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल है। तरबगंज क्षेत्र के चंदीपुर गांव निवासी सोमई (60) सोमवार सुबह अपने नाती देवा विश्वकर्मा (18) के साथ बाइक से दवा लेने गए थे। लौटते समय सीबीएन मार्ग पर तरबगंज चौराहे के पास सामने से आ रहे बाइक सवार अरविंद सिंह (45)निवासी डेहरास से देवा की बाइक की भिड़ंत हो गई। इससे सोमई, देवा व अरविंद घायल हो गए।लोगों की मदद से तीनों को सीएचसी ले जाया गया।जहां प्राथमिक उपचार के बाद सोमई व देवा को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अरविंद को परिजनों ने सीएचसी से निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया।कौड़िया थाना क्षेत्र में आर्यनगर–करनैल गंज मार्ग पर लैबुड़वा गांव के प्रधान प्रतिनिधि सुनील कुमार कुरील रविवार रात परिजनों के साथ घर के बाहर बैठे बातचीत कर रहे थे। तभी आर्यनगर से करनैलगंज की तरफ जा रहा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे लगे बिजली के पोल से टकराते हुए ग्राम प्रधान के मकान में घुस गया। इससे घर के बरामदे में खड़ा ट्रैक्टर, कार, टिनशेड बाउंड्री क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग गया।इस दौरान सड़क के दोनों तरफ जाम लग गया। जिसकी सूचना बसपा के मंडल कोऑर्डिनेटर राज कुमार कुरील ने कौड़िया पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जाम हटवाया।कौड़िया इंस्पेक्टर संदीप सिंह ने बताया कि अनियंत्रित ट्रक के घर में घुसने से नुकसान हुआ है। अभी तहरीर नहीं मिली है, तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी।

एसएसबी के जवानों ने किया योगाभ्यास

संवाददाता

बलरामपुर। एसएसबी 9वीं व 50वीं वाहिनी मुख्यालय पर सोमवार को हर घर आंगन, हर घर योग के तहत दो दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर में एसएसबी के अधिकारियों व कर्मियों को योगाभ्यास कराकर स्वस्थ रहने का तरीका बताया गया।

योग शिविर का शुभारंभ 9वीं वाहिनी के कमांडेंट ऋषि पाल सिंह व डिप्टी कमांडेंट सुशांत सिंह ने किया। योग वेलनेस सेंटर के योग प्रशिक्षक डॉ. अमरजीत ने एसएसबी जवानों को शीतली प्राणायाम, ध्यान भ्रामरी, शशांकासन, वक्रासन, मकरासन व उक्टासन कराकर उसकी उपयोगिता बताई। योगाभ्यास कराते हुए योग का महत्व समझाया। योग प्रशिक्षक ने कहा कि योग से ही जवानों में बढ़ते मानसिक तनाव, अवसाद व अनिद्रा समेत अन्य रोगों से छुटकारा मिल सकता है।

बिपरजॉय चक्रवात की दस्तक! तेज हवा के साथ बूंदाबांदी...भभक उठी गर्मी

संवाददाता

कानपुर। कानपुर में मंगलवार सुबह से ही मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। वहीं रुक–रुककर बारिश भी हो रही है। सोमवार को तापमान तीन डिग्री लुढ़का, लेकिन पांच प्रतिशत नमी बढ़ने से उमस ने परेशान किया। कानपुर में बिपरजॉय चक्रवात का असर सोमवार को दोपहर बाद देखने को मिला। करीब 15 किमी की रफ्तार से हवा चली और घने बादल छा गए। शहर के कुछ हिस्सों में हुई बूंदाबांदी से गर्मी और भभक उठी। कूलर और पंखे चलने के बावजूद लोगों को बेचौनी महसूस हुई।इस बीच बादल होने से दिन के तापमान में तीन डिग्री की कमी जरूर आई, लेकिन हवा में नमी पांच प्रतिशत बढ़ गई। अधिकतम तापमान 39.0 और न्यूनतम 28.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। डॉ. एसएन पांडेय के अनुसार बिपरजॉय चक्रवात के असर से मौसम में बदलाव आया है।20 जून से यह और तेजी पकड़ सकता है। ऐसे में मंगलवार सुबह से ही बारिश और तेज हवा चल सकती है। बताया कि गर्मी और उमस अभी बनी रहेगी। रात के समय बादल होने से उमस बढ़ सकती है। अगले 24 घंटे में बारिश होने की संभावना को देखते हुए मौसम विभाग ने किसानों को फिलहाल सिचाई करने से मना किया है।

10 से 50 लाख रुपये देकर बयान बदलवाना चाहता था अधिवक्ता रमेश चंद गुप्ता

संवाददाता

मेरठ। मेरठ के हाईप्रोफाइल मामले में पोक्सो में नामजद अधिवक्ता रमेश चंद्र गुप्ता द्वारा नाबालिग किशोरी के यौन शोषण मामले में मेरठ पुलिस ने कई बड़े खुलासे किए हैं।पॉक्सो में नामजद अधिवक्ता रमेश चंद गुप्ता की अय्याशियों के बारे में नई–नई जानकारियां सामने आ रही हैं। वो ऐसे मामले उजागर होने के बाद पैसे देकर मामले को रफा–दफा कर देता था। किशोरी के बरामद होने के बाद रमेश चंद गुप्ता ने बयान उसके खिलाफ नहीं देने के मामले में भी 10 लाख रुपये का ऑफर दिया था। ये सौदेबाजी 50 लाख रुपये तक पहुंच गए।ऑफर किशोरी के मौसेरे भाई ने स्वीकार भी कर लिया था। पूरी प्लानिंग हो गई थी कि पैसे लेकर वो गाड़ी में बैठा रहेगा और बयान देने के बाद वह निकल जाएंगे। लेकिन पुलिस ने सारा खेल बिगाड़ दिया। परिजनों से मिलाए बिना ही किशोरी को न्यायालय में 164 के बयानों के लिए पेश कर दिया।किशोरी से यौन शोषण मामले से जुड़ा एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें अधिवक्ता रमेश चंद की आवाज है। वह किशोरी के मौसेरे भाई से बात कर रहा है। मौसेरा भाई कह रहा है कि हम गाड़ी में बैठे रहेंगे और पैसे लेकर चले जाएंगे। रमेश चंद गुप्ता बोलता है कि ऐसे कैसे पैसे ले जाओ, पहले बयान तो कराओ।मौसेरा भाई कहता है कि बयान कल कोर्ट में हो जाएगा। रमेश चंद कहता है कि जैसे ही बयान करा दोगे मैं पैसे दे दूंगा। इस ऑडियो से साफ को रहा है कि 10 लाख रुपये देकर बयान बदलवाने की सौदेबाजी हो रही थी। पुलिस ने किशोरी के 164 के बयान होने तक किसी रिश्तेदार को उससे अकेले में नहीं मिलने दिया, जिसके चलते सारा खेल बिगड़ गिया। किशोरी ने 164 के बयान में अधिवक्ता पर यौन शोषण करने का आरोप लगा दिया। जिसके बाद दौराला थाने में दर्ज अपहरण के मुकदमे में पुलिस ने पॉक्सो की धारा बढ़ाकर अधिवक्ता को नामजद कर लिया।सीओ दौराला अभिषेक पटेल ने बताया कि लैपटॉप और सीपीयू की जांच के लिए उन्हें साइबर सेल की टीम को दिया गया था।

कस्टम शुल्क को लेकर नेपाली पुलिस से भिड़ी महिला

संवाददाता

बहराइच। भारतीय क्षेत्र से खरीदारी करने के बाद नेपाल ले जाने वाले सामान पर वहां की सरकार कस्टम ड्यूटी लगाती है। इसको लेकर आए दिन विवाद हो रहा है। रविवार की शाम कस्टम ड्यूटी को लेकर एक नेपाली महिला पुलिस कर्मियों से भिड़ गई।इस दौरान घंटों अफरातफरी का माहौल रहा और इस दौरान महिला ने हाथापाई भी की। भारत–नेपाल के बीच वर्षों से रोटी–बेटी का संबंध रहा है। प्रतिदिन दोनों देशों के सैकड़ो नागरिक सीमा को पार करते हैं और खरीददारी करते हैं।नेपाल सरकार की ओर से भारतीय क्षेत्र से लगभग 62.50 रुपए से अधिक के प्रत्येक सामान की खरीद पर कस्टम शुल्क लगा दिया है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।